छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, रविवार 08 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-130 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सोनिया ने बताया, 2004 में क्यों ठुकराया था पद



नई दिल्ली2004 में प्रधानमंत्री पद ठुकराने का फैसला सोनिया गांधी की जिंदगी के सबसे चर्चित राजनीतिक फैसलों में से एक रहा है। अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' में उन्होंने बताया है कि राहुल और प्रियंका भी नहीं चाहते थे कि वे प्रधानमंत्री बनें।10 नवंबर को लॉन्च होने वाली इस किताब पर 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में सोनिया ने इस फैसले से लेकर राजीव गांधी के साथ अपने रिश्ते, इमरजेंसी, कांग्रेस के भविष्य और देश की मौजूदा राजनीति पर बात की।उन्होंने कहा कि भारत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सोच अलग है। सोनिया ने पिछले 12 साल में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को हुए नुकसान पर भी चिंता जताई।

CJP के मार्च में लेके रहेंगे आजादी के नारे लगेकोच्चि में दीपके बोले- पूरे देश में तिरंगा लेकर जाऊंगा, जहां चाहें, गिरफ्तार कर लें



कॉकरोच जनता पार्टीने शनिवार को कोच्चि में वोटर लिस्ट में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ प्रदर्शन किया। ष्टछ्वक्कफाउंडर अभिजीत दीपके और अभिनेता प्रकाश राज प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन मार्च मरीन ड्राइव से शुरू होकर राजेंद्र मैदान पहुंचा। जहां जनसभा में पहुंचे अभिजीत दीपके ने कहा कि गिरफ्तारी के बावजूद वे पूरे देश में तिरंगा लेकर जाना जारी रखेंगे। दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी पर आरोप लगाया कि वे लोगों की खान-पान की आदतों, निजी रिश्तों और वोट देने के अधिकारों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूपी-फतेहपुर में पटाखा बनाते समय विस्फोट, महिला की मौत



यूपी के फतेहपुर में शनिवार को घर में पटाखा बनाते समय विस्फोट हो गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि महिला के शरीर के दो टुकड़े हो गए। आधा हिस्सा छत पर, जबकि हाथ करीब 100 मीटर दूर तक जा गिरा। घटना फतेहपुर से करीब 50 किलोमीटर दूर हथगांव थाना क्षेत्र में हुई। जानकारी के मुताबिक महिला घर में पटाखा बना रही थी। इसी दौरान फ्रिज में तेज धमाका हुआ। इसकी चपेट में आकर पटाखों में भी विस्फोट हो गया।
धमाका इतना तेज था कि महिला का हाथ शरीर से अलग होकर दूर जाकर गिरा। वार्ड नंबर 2 में रफी अहमद अपनी 55 साल की पत्नी नसरीन के साथ रहते हैं। शनिवार शाम करीब 4 बजे नसरीन घर में पटाखे बना रही थीं।

शरद पवार ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज हुए, घर पर जारी रहेगा इलाज



प्रमुख शरद पवार को शनिवार को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उन्हें ब्रोंकाइटिस और सीने में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी हालत स्थिर है और संक्रमण में सुधार हो रहा है। अब उनका इलाज घर पर जारी रहेगा। इससे पहले बुधवार को उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी दी गई थी। आज की अन्य खबरें दिल्ली के शाहीन बाग से किशोरी का रेस्क्यू, मालिक पर गर्म रॉड से दागने, कई दिनों तक भूखा रखने के आरोप दिल्ली के शाहीन बाग इलाके के घर से 16 साल की लड़की को पुलिस ने बचाया। आरोप है कि उससे दिन में करीब 20 घंटे काम कराया जाता था,

दीपावली महापर्व : धर्म, अध्यात्म और आर्थिक उन्नति का आधार

स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना स्थानीय व्यापार और आत्मनिर्भरता को मजबूती देने का माध्यम बन सकता है

अभिषेक शर्मा

लेखक



भारतवर्ष त्योहारों और सांस्कृतिक परंपराओं का देश है, जहां विविध धर्मों, संस्कृतियों और मान्यताओं की अनूठी झलक देखने को मिलती है। प्रत्येक पर्व अपने साथ कोई न कोई संदेश और सामाजिक सरोकार लेकर आता है, लेकिन दीपावली का महापर्व भारतीय जीवन में विशेष महत्व रखता है। यह केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का अवसर नहीं, बल्कि धर्म, अध्यात्म, सामाजिक समरसता और आर्थिक उन्नति का आधार भी है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या आगमन की स्मृति से जुड़ा यह पर्व सत्य की असत्य पर और प्रकाश की अंधकार पर विजय का संदेश देता है। मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना के माध्यम से सुख, समृद्धि, बुद्धि और विवेक की कामना की जाती है। दीपावली हमें अपने भीतर के अंधकार, अहंकार और नकारात्मकता को समाप्त कर सद्भाव और सकारात्मकता अपनाने की प्रेरणा देती है। आर्थिक दृष्टि से भी दीपावली देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करती है। बाजारों में बढ़ती रौनक, खरीदारी और व्यापारिक गतिविधियों से छोटे-बड़े व्यापारियों, कारीगरों, श्रमिकों, कुम्हारों और स्थानीय उत्पादकों को रोजगार एवं आय के अवसर मिलते हैं। स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना स्थानीय व्यापार और आत्मनिर्भरता को मजबूती देने का माध्यम बन सकता है। आज आवश्यकता है कि दीपावली को केवल दिखावे और आतिशबाजी तक सीमित न रखें, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और जरूरतमंदों की सहायता को भी उत्सव का हिस्सा बनाएं।

कोचिंग सेंटर विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार, सात दिनों के भीतर आम नागरिकों और हितधारकों से मांगे गए सुझाव

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल - उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी। विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है। नियमों के उल्लंघन पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं। विधेयक का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। इच्छुक नागरिक अपने सुझाव पर भेज सकेंगे।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से किया संवाद

मंत्री जी ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी पीठ थपथपाई,



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने स्टेशन का निरीक्षण करते हुए यात्रियों से सीधे बातचीत की और उनके यात्रा अनुभवों को जाना।

निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने युवाओं, महिलाओं और बच्चों से आत्मीयता से मुलाकात की। उन्होंने यात्रियों से भारतीय रेलवे द्वारा दी जा रही विभिन्न सुविधाओं और सेवाओं के बारे में उनकी राय पूछी। बातचीत के दौरान अधिकतर यात्रियों ने रेलवे की सुविधाओं में लगातार हो रहे सुधार और आधुनिक बदलावों के लिए रेल मंत्री का धन्यवाद व्यक्त किया। मंत्री जी ने युवाओं का उत्साह बढ़ाते हुए उनकी पीठ थपथपाई, वहीं बच्चों से हाथ मिलाकर अपना स्नेह जताया। इस सीधे संवाद का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि रेलवे की वर्तमान व्यवस्थाओं से आम यात्री कितना संतुष्ट हैं और धरातल पर सुविधाओं का प्रभाव कैसा है।

दौरे के दौरान मंत्री जी बिल्कुल आम नागरिक की तरह लोगों से घुलते-मिलते नजर आए। उन्होंने स्टेशन स्थित चाय के स्टाल पर रुककर चाय की चुस्की ली और डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए यूपीआई के जरिए भुगतान किया।



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को दी दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रकाश और उल्लास के महापर्व दीपावली पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने माँ लक्ष्मी और भगवान श्री गणेश से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना की है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि आशा, विश्वास, प्रेम और सद्भाव का उत्सव है। यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने तथा आपसी भाईचारे और एकता के साथ जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कामना की कि दीपावली का यह पावन पर्व छत्तीसगढ़ के हर घर में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए तथा हमारा प्रदेश विकास, खुशहाली और उन्नति के नए कीर्तिमान स्थापित करता रहे।

PM मोदी ने देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं

कहा- इस बार भी जवानों के साथ त्योहार मनाऊंगा;

पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया है कि हर साल की तरह इस साल भी वे दिवाली सेना के जवानों के बीच मनाएंगे। वे कहां जाएंगे, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

2025 में पीएम मोदी ने गोवा में विक्रांत पर नौसैनिकों के बीच दिवाली मनाई थी। यहां उन्होंने करीब 40 मिनट की स्पीच दी थी।



नमस्ते, दीपावली का पावन पर्व, पूरा देश रोशनी से जगमगा रहा है। प्रकाश का यह पर्व अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प का परिचय है। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, आपका ये पर्व आपका आगे का समय सब कुछ सुख-शांति और समृद्धि से भरा रहे।मैं भी आपकी तरह बड़े उत्साह से दीपावली मनाता हूं। और हर साल आप जानते हैं देश के वीर जवानों के बीच जाना मेरा नित्यक्रम है। इस बार भी जारी रहेगा। आप सबको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इससे पहले शनिवार सुबह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। उन्होंने भगवान की आरती की, राधाकृष्णन ने उन्हें तिलक लगाया और उपहार दिए। 2019-क्कमोदी इस साल जम्मू-कश्मीर के राजौरी में रूष्ट पर तैनात जवानों के साथ दीपावली मनाने के लिए पहुंचे थे। 2018-क्कमोदी दीपावली के मौके पर उत्तराखंड में केदारनाथ मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। यहां उन्होंने चीन बॉर्डर के पास हर्शिल गांव के केंट इलाके में भारतीय सशस्त्र बल और ढ्ढञ्जक्कजवानों के साथ दीपावली मनाई।



वायुसेना का गजराज 13 हजार फीट की ऊंचाई पर उतरा

भारतीय वायुसेना ने शनिवार को अपने भारी मालवाहक विमान 76ख्ख की लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर लैंडिंग करवाई। यह लैंडिंग 13,629 फीट की ऊंचाई पर हुई, जो दुनिया का सबसे ऊंचा एयरबेस है। के मुताबिक, इस विमान की दुनिया के सबसे ऊंचे एयरबेस पर लैंडिंग हुई। न्योमा को मुध-न्योमा भी कहते हैं। यह पूर्वी लद्दाख में है और चीन बॉर्डर से सिर्फ 23 किमी दूर है।

नवंबर 2025 में न्योमा को अपग्रेड करके नया एयरबेस बनाया गया था। तब तत्कालीन एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने -130छ्ल से उतरकर इसका उद्घाटन किया था। के मुताबिक यह दुनिया का सबसे ऊंचा फाइटर-कैपेबल एयरफील्ड है। मतलब साफ है - अब भारत, चीन बॉर्डर के बिल्कुल पास भारी हथियार, गाड़ियां और बड़ी संख्या में सैनिक बहुत तेजी से पहुंचा सकता है।

अयोध्या में 30 लाख दीये जलाए, आतिशबाजी हुईःलेजर शो से रामायण दिखाई गई; उपराष्ट्रपति-सीएम योगी समेत कई मंत्री मौजूद रहे

एजेंसी ➤ अयोध्या

अयोध्या में आज 10वां दीपोत्सव मनाया जा रहा है। सरयू नदी के किनारे 56 घाटों पर करीब 30 लाख दीये जलाए गए। राम की पैड़ी और सरयू घाट पर लेजर शो से रामायण दिखाई गई। 2100 ड्रोन से विशेष शो किया गया। सरयू तट पर 2147 अर्चकों ने सरयू की महाआरती की। इसके बाद आतिशबाजी की गई।

इसके पहले अयोध्या में करीब 3 घंटे तक शोभा यात्रा निकाली गई। इसमें 21 झांकियां शामिल रहीं। इनमें रामायण के सात कांडों को दर्शाया गया था।

दीपोत्सव देखने के लिए मुंबई, गुजरात और बिहार सहित देशभर से लोग पहुंचे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और सीएम योगी समेत कई मंत्री भी मौजूद रहे।



योगी बोले- हर साल दीपों की संख्या बढ़ी

सीएम योगी ने कहा- 2017 में यूपी की अर्थव्यवस्था जर्जर हालत में थी। कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए पैसा नहीं था। पिछली सरकारों के सिंडिकेट ने खजाने पर डकैती डालकर विदेशों में अपने लिए संपत्तियां खरीदी थीं। पहले दीपोत्सव में महज 25 हजार दीप जलाए गए थे। जैसे-जैसे दीपों की संख्या बढ़ी, प्रदेश की समृद्धि भी



बढ़ती गई। इस बार अयोध्या में 36 लाख दीप जल रहे हैं, जो प्रदेश की आर्थिक समृद्धि का भी प्रतीक है।अयोध्या में दीपोत्सव के मौके पर आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजी से जगमगा उठा। रामनगरी में हो रही आतिशबाजी ने उत्सव का उल्लास और बढ़ा दिया। आसमान में छूटती रंग-बिरंगी रोशनी के बीच सरयू तट और राम की पैड़ी का नजारा देखने लायक रहा। बड़ी संख्या में मौजूद लोग आतिशबाजी का आनंद ले रहे हैं।

विदेशियों ने भी दीपदान किया

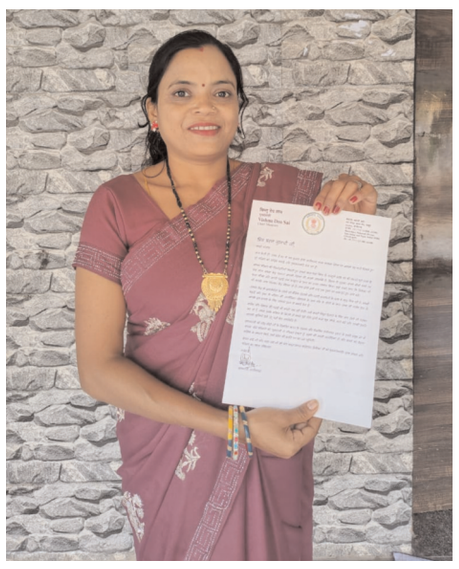
शिकागो से अयोध्या आए पॉल और शेल्बे ने भी सरयू तट पर दीये जलाए। उन्होंने बताया कि अयोध्या की बहुत महिमा सुनी है। माता-पिता से रामनगरी के बारे में सुनकर अयोध्या आने का मन बनाया था। आज हमारी यह इच्छा पूरी हो गई। उपराष्ट्रपति बोले- विदेशी आक्रांताओं ने भगवान राम का मंदिर तोड़ा उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा- विदेशी आक्रांताओं ने भगवान राम का मंदिर तोड़ दिया था। लेकिन, 500 साल बाद हमने उसका पुनर्निर्माण किया, क्योंकि हम सत्य में विश्वास रखते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के तहत पेंशनधारियों को घर बैठे जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा

सक्ती,पेंशनधारियों के जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक आधारित सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से पेंशनधारी बिना किसी परेशानी के अपने मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के दिशा-निर्देशों के तहत जिले में अभियान के क्रियान्वयन हेतु सब-नोडल अधिकारी के रूप में नामांकित किया गया है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी बैंक शाखाओं तथा अधिकृत पेंशनर संघों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक पेंशनधारी इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा डिजिटल माध्यम से अपना जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। साथ ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी पेंशनरों से इस डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की गई है।



एफएफएस ऐप के ई-टोकन के माध्यम से जिले में खाद उठाव की प्रक्रिया प्रारंभ

सक्ती,जिले में किसानों को खाद का पारदर्शी एवं सुगम वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एफएफएस ऐप के ई-टोकन के माध्यम से खाद उठाव की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को खाद लेने के लिए दुकानों पर लंबी कतारों में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं होगी। किसान अपने मोबाइल पर गूगल प्ले स्टोर से एफएफएस ऐप डाउनलोड कर इसके माध्यम से ई-टोकन प्राप्त कर निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित खाद विक्रेता के यहां से भारत यूरिया, डीएपी एवं अन्य उर्वरकों का उठाव कर सकेंगे। इस नई व्यवस्था से खाद वितरण प्रणाली में पारदर्शिता आएगी, कालाबाजारी पर रोक लगेगी तथा वास्तविक किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सकेगी। ई-टोकन व्यवस्था के तहत किसान का नाम, आधार लिंक्ड विवरण एवं खाद की मात्रा डिजिटल रूप से दर्ज होगी, जिससे खाद वितरण का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा। जिले में श्री हनुमान ट्रेडिंग कंपनी, सपोस, विकासखंड डभरा, नमन ट्रेडर्स, बीरभाठा, विकासखंड मालखरौदा सहित अन्य अधिकृत खाद विक्रेताओं के माध्यम से इस व्यवस्था के तहत खाद वितरण प्रारंभ किया गया है। किसानों में इस पहल को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है।

कृषि विभाग ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि वे एफएफएस ऐप पर पंजीयन कराकर ई-टोकन के माध्यम से ही खाद का उठाव करें। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

रायपुर रेल मंडल में 'अपशिष्ट कम करें' थीम के साथ स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभियान आयोजित

कम उपयोग, पुनः उपयोग एवं कचरे का पृथक्करण अपनाकर स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल रेलवे परिसर बनाने का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल द्वारा 01 नवम्बर से 07 नवम्बर 2026 तक आयोजित ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत आज अभियान के सातवें एवं अंतिम दिवस पर ÷अपशिष्ट कम करें थीम पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे परिसरों में कचरे की मात्रा कम करने, वस्तुओं के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध सुविधाओं के अनुसार गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करने के प्रति रेल कर्मचारियों, सफाई कर्मचारियों, वेंडरों एवं यात्रियों को जागरूक करना था।

अभियान के दौरान रेलवे कार्यालयों एवं स्टेशनों पर डिजिटल डिस्प्ले, पोस्टर एवं सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेश प्रसारित किए गए। यात्रियों एवं कर्मचारियों को कचरा निर्धारित डस्टबिन में डालने, अनावश्यक वस्तुओं के उपयोग से बचने तथा पुनः उपयोग योग्य एवं पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।



इसके साथ ही अनुपयोगी एवं त्यागी गई सामग्रियों से उपयोगी एवं आकर्षक कलाकृतियां (ह्लडुह्यह्लद्र-ह्लश्र्हह्ल) तैयार करने, रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरे के उचित प्रबंधन के प्रति जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। कर्मचारियों एवं यात्रियों को कचरा कम करने, वस्तुओं का पुनः उपयोग करने तथा कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर सभी से अपील की गई कि वे अनावश्यक कचरा उत्पन्न न करें, इधर-उधर कचरा न फेंकें तथा ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहभागिता निभाएं। रायपुर रेल मंडल द्वारा इस सात दिवसीय जागरूकता अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया। रेलवे प्रशासन ने सभी रेलकर्मियों एवं यात्रियों से स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की।

महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भरता की नई उड़ान, दीपावली पर मिट्टी के दीयों और गुल्लकों से संवार रहीं स्वदेशी परंपरा

सफलता की कहानी

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

दीपावली का पर्व रोशनी, खुशियों और आत्मनिर्भरता का संदेश लेकर आता है। इस दीपावली पेंड्रा विकासखंड के नवागांव निवासी महतारी वंदन योजना की हितग्राही श्रीमती संतोषी प्रजापति अपने हुनर और मेहनत से न केवल अपने परिवार की खुशहाली में योगदान दे रही हैं, बल्कि 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी साकार कर रही हैं। महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त की राशि प्राप्त होने के बाद श्रीमती संतोषी प्रजापति इस राशि का उपयोग मिट्टी के दीये और गुल्लक बनाने के कार्य में कर रही हैं। दीपावली के अवसर पर उनके द्वारा तैयार किए जा रहे मिट्टी के दीये घर-आंगन को रोशन करने के साथ ही हमारी पारंपरिक कला और स्वदेशी संस्कृति को भी जीवंत बनाए रखने का संदेश दे रहे हैं। वहीं मिट्टी की गुल्लक के माध्यम से वे बचत की अच्छी आदत को भी प्रोत्साहित कर रही हैं।

संतोषी केवल मिट्टी के दीये और गुल्लक बनाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे बकरी पालन का कार्य भी कर रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से वे अपनी आजीविका को मजबूत बनाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।महतारी वंदन योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए अपने हुनर को आगे

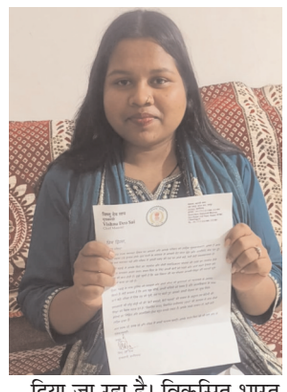


बढ़ाने और स्वरोजगार के अवसरों को साकार करने में सहायक बन रही है। उनकी यह पहल स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, पारंपरिक कारीगरी को प्रोत्साहित करने और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का संदेश देती है। श्रीमती संतोषी प्रजापति ने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस दीपावली आइए, स्थानीय कारीगरों के हाथों से बने मिट्टी के दीये जलाएं और 'वोकल फॉर लोकल' को अपनाकर स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का दिव्या पुरी को स्नेहभरा पत्र, छात्रा ने बताया गर्व का क्षण

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर छात्रा दिव्या पुरी को पत्र लिखकर उन्हें राज्य स्थापना दिवस की उनको और उनके परिवार को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री का यह स्नेहभरा पत्र मिलने पर दिव्या पुरी ने इसे अपने जीवन का गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में दिव्या को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने पढ़ाई में मन लगाने, अपनी पसंद की राह चुनने और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने दिव्या के पिता द्वारा शिक्षा में सहयोग किए जाने और श्रम विभाग की नोनी सशक्तिकरण योजना से प्राप्त राशि का उपयोग पढ़ाई में होने पर प्रसन्नता जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प के अनुरूप बेटियों की शिक्षा को विशेष महत्व



दिया जा रहा है। विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में बेटियों की शिक्षा एवं आत्मनिर्भरता की अहम भूमिका है। उन्होंने दिव्या को जीवन में खूब सीखने, अपनी रुचियों को पहचानने और मेहनत के बल पर अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। साथ ही उनके माता-पिता को भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत स्नेह और प्रोत्साहन भरा पत्र पाकर दिव्या पुरी अभिभूत हैं। उन्होंने इसे अपने लिए बेहद सम्मान और गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का हृदय से धन्यवाद किया।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न, मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर

जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया। वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक



छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इस सफल आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

बरबसपुर में स्वच्छता अभियान को लेकर जागरूकता रैली,

रंगोली के माध्यम से ग्रामीणों को दिया स्वच्छता का संदेश

मनेन्द्रगढ़। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत बरबसपुर में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता ग्राहियों द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण के साथ स्वच्छता रैली निकाली गई तथा रंगोली बनाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

इस दौरान चार प्रकार के डस्टबिन के उपयोग की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को बताया गया कि घरों से निकलने वाले अलग-अलग प्रकार के कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें, ताकि कचरे का उचित पृथक्करण एवं प्रबंधन किया जा सके।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को गीले एवं सूखे कचरे सहित अन्य अपशिष्टों को अलग-अलग रखने और गांव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव राम सिंह, सरपंच सोनमती, एसबीएम से प्रभा प्यासी, स्वच्छता ग्राही एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को जनभागीदारी के माध्यम से सफल



बनाना रहा।

सुरक्षित वातावरण के साथ मिलेगी बेहतर रहने की सुविधा; स्वास्थ्य मंत्री ने दी दीपावली की शुभकामनाएं

छोटी दिवाली पर कर्मचारियों को मिला आवास का तोहफा, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया जे.ए.डी. कर्मचारी आवास का लोकार्पण

एक सत बुलेटिन ➤ खड़गवां

दीपावली के पावन पर्व से ठीक एक दिन पहले छोटी दिवाली के अवसर पर कर्मचारियों को एक बड़ी सौगात मिली। एमसीबी जिले के खड़गवां में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जे.ए.डी. कर्मचारी आवास का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने इसे कर्मचारियों के लिए दीपावली का विशेष उपहार बताते हुए सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।जे.ए.डी. कर्मचारी आवास का लोकार्पण कर्मचारियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। इस आवासीय सुविधा के शुरू होने से कर्मचारियों को बेहतर रहने की व्यवस्था के साथ सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा। लंबे समय से कर्मचारियों के लिए बेहतर आवासीय सुविधा की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। ऐसे में दीपावली के अवसर पर मिली यह सौगात उनके लिए खुशियों को दोगुना करने वाली है।लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए



स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि कर्मचारी किसी भी व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। उनकी मेहनत, समर्पण और जिम्मेदारी से ही संस्थानों का संचालन सुचारू रूप से होता है। इसलिए, कर्मचारियों की सुविधाओं, उनकी आवश्यकताओं और उनके कल्याण का ध्यान रखना भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों,



प्रकाश और आपसी सौहार्द का पर्व है। ऐसे शुभ अवसर पर कर्मचारियों को आवास की सौगात मिलना उनके लिए विशेष खुशी का विषय है। बेहतर आवासीय व्यवस्था से कर्मचारियों को न केवल रहने की सुविधा मिलेगी, बल्कि वे अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में रह सकेंगे। मंत्री जायसवाल ने सभी कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और उज्ज्वल



भविष्य की कामना की। छोटी दिवाली के अवसर पर जे.ए.डी. कर्मचारी आवास का लोकार्पण कर्मचारियों के लिए एक यादगार सौगात बन गया। इस पहल से कर्मचारियों में उत्साह और खुशी का माहौल देखने को मिला।

न्यूज इन शॉर्ट

छत पर सोलर, हाथ में मुख्यमंत्री की पाती,रोहित गुप्ता का कदम बना स्वच्छ ऊर्जा की प्रेरणा

रायपुर घर की छत पर लगा सोलर प्लांट अब श्री रोहित गुप्ता के परिवार को बिजली की जरूरतें पूरी करने में मदद कर रहा है। बलरामपुर के वार्ड क्रमांक 15 निवासी श्री गुप्ता ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने घर पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित कराया है। उनके इस निर्णय की मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सराहना की है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'विष्णु की पाती' के माध्यम से श्री गुप्ता और उनके परिवार को शुभकामनाएँ भेजीं। पत्र में उन्होंने लिखा कि परिवार की जरूरतों और खर्चों को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला जब राहत देने लगे, तो उसका संतोष खास होता है। बिजली खर्च में बचत से परिवार की अन्य जरूरतों के लिए भी गुंजाइश बनती है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुई सूर्य घर योजना घरों तक सौर ऊर्जा पहुँचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इससे परिवार अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री गुप्ता के अनुभव को दूसरों के लिए प्रेरणादायी बताया। सोलर प्लांट से मिल रहा लाभ उन परिचितों और पड़ोसियों के लिए उपयोगी जानकारी बन सकता है, जो अपने घरों में सौर ऊर्जा अपनाने पर विचार कर रहे हैं। किसी परिवार का सकारात्मक अनुभव लोगों का भरोसा बढ़ाता है और नई पहल के लिए प्रेरित करता है। श्री रोहित गुप्ता का यह कदम दिखाता है कि स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने की शुरुआत अपने घर से की जा सकती है। छत पर लगा सोलर प्लांट अब उनके परिवार के लिए सुविधा और बचत का माध्यम है, साथ ही मोहल्ले और जिले में सौर ऊर्जा अपनाने का संदेश भी दे रहा है।



बेटे ने पिता की लंबित पेंशन के लिए उठाई आवाज, मुख्यमंत्री श्री साय ने 'विष्णु की पाती' से भेजा स्नेह संदेश

रायपुर,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज एक शिकायत ने बलरामपुर जिले के ग्राम जरहाडीह निवासी बुजुर्ग श्री धुरन प्रजापति की परेशानी दूर करने में मदद की। उनकी सामाजिक सहायता पेंशन की राशि लंबित थी। इस समस्या को शासन तक पहुँचाने के लिए उनके पुत्र श्री अंकज कुमार प्रजापति ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर कार्रवाई के बाद श्री प्रजापति को उनकी लंबित पेंशन राशि मिल गई। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने श्री धुरन प्रजापति और उनके परिवार को 'विष्णु की पाती' भेजकर शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेंशन से मिलने वाली सहायता बुजुर्गों की रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में संबल देती है। ऐसे में लंबित राशि मिलने से श्री प्रजापति को राहत मिली है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पिता की समस्या के समाधान के लिए पहल करने पर श्री अंकज कुमार प्रजापति की सराहना की। उन्होंने कहा कि परिवार में एक-दूसरे की जरूरतों का ध्यान रखना और कठिन समय में साथ देना जीवन का बड़ा संबल है। मुख्यमंत्री ने श्री अंकज तक अपना स्नेह पहुँचाने की बात भी कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन का प्रयास है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक सहजता से पहुँचे और हर नागरिक की समस्या को संवेदनशीलता से सुना जाए। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 इसी उद्देश्य से नागरिकों को अपनी समस्याएँ शासन तक पहुँचाने का माध्यम उपलब्ध करा रही है।

लोकल फॉर वोकल के तहत कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जयस्तंभ चौक में छोटे व्यापारियों से की खरीदारी

पैदल बाजार का भ्रमण कर खरीदे दीपावली के घरेलू, पूजन एवं सजावट के सामान

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

दीपावली पर्व के अवसर पर स्थानीय छोटे व्यापारियों, कुम्हारों और पारंपरिक कारीगरों को प्रोत्साहित करने तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'लोकल फॉर वोकल' की भावना के अनुरूप कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू आज सारंगढ़ के जयस्तंभ चौक स्थित बाजार पहुंचीं। उन्होंने पैदल बाजार का भ्रमण किया और वहां लगी छोटी-छोटी दुकानों से दीपावली के लिए आवश्यक घरेलू, पूजन एवं सजावट की सामग्री खरीदी। कलेक्टर ने मिट्टी के दीये, फूल-मालाएं, भगवान श्रीगणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियां सहित त्योहार से जुड़ी अन्य सामग्री लेकर स्थानीय दुकानदारों का उत्साह बढ़ाया।

बाजार भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने दुकानदारों से आत्मीयता से बातचीत की और उनके व्यवसाय, दीपावली की तैयारियों तथा बिक्री के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय दुकानों से स्वयं खरीदारी कर यह संदेश दिया कि त्योहारों पर स्थानीय उत्पादों और छोटे व्यापारियों को प्राथमिकता देने से पर्व की खुशियों का लाभ उन परिवारों तक भी पहुंचता है, जो अपनी मेहनत और हुनर से सामग्री तैयार कर बाजार में बेचते हैं। कलेक्टर ने आम नागरिकों से अपील की कि वे दीपावली की खरीदारी स्थानीय छोटे व्यापारियों, कुम्हारों और कारीगरों से करें। बाजार में उपलब्ध स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और अपने आसपास के दुकानदारों को आगे बढ़ने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि मिट्टी के दीये और स्थानीय कारीगरों द्वारा तैयार सामग्री खरीदने से पारंपरिक कला एवं संस्कृति को संरक्षण मिलता है। साथ ही इन उत्पादों से जुड़े परिवारों को रोजगार और आर्थिक संबल मिलता है।





उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारियों की मेहनत और उनके स्थानीय उत्पाद स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जब नागरिक उनसे खरीदारी करते हैं, तो उसका सीधा लाभ व्यापारी परिवारों तक पहुंचता है। इससे उनके व्यवसाय को मजबूती मिलती है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलता है। 'लोकल फॉर वोकल' की भावना स्थानीय उत्पादों को अपनाने, स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहित करने और आत्मनिर्भरता की दिशा में सामूहिक योगदान देने का संदेश देती है। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने जिले के सभी नागरिकों को दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि दीपावली का पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने नागरिकों से पर्व को उत्साह और आपसी सद्भाव के साथ मनाने तथा स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी कर उनके परिवारों की खुशियों में सहभागी बनने का आग्रह किया।



कलेक्टर के पैदल बाजार पहुंचकर खरीदारी करने और दुकानदारों से संवाद करने से जयस्तंभ चौक के व्यापारियों में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। छोटे विक्रेताओं ने कहा कि जिले की कलेक्टर का स्वयं बाजार आकर उनसे सामान खरीदना और उनके व्यवसाय को प्रोत्साहित करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। दीपावली के अवसर पर बाजार में हुई इस पहल ने स्थानीय उत्पादों को अपनाने और छोटे व्यापारियों का मनोबल बढ़ाने का संदेश दिया।

स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि, रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा को मिलेगा राष्ट्रीय सम्मान

सफाई मित्रों की मेहनत, नगरीय निकायों के सतत प्रयास और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत प्रदेश के तीन शहरों रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा का राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आगामी 11 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में इन तीनों शहरों को पुरस्कृत करेंगी। यह उपलब्धि प्रदेश में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों, सफाई मित्रों के समर्पण और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा सफाई मित्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति के हाथों छत्तीसगढ़ के तीन शहरों का सम्मानित होना पूरे प्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है। यह सम्मान उन हजारों सफाई मित्रों के परिश्रम का सम्मान है, जो प्रतिदिन हमारे शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए अथक मेहनत करते हैं। साथ ही यह उन जागरूक नागरिकों की सहभागिता का भी सम्मान है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझकर इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने देश में स्वच्छता के प्रति एक नई चेतना जागृत की है। आज स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। छत्तीसगढ़ भी इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के सभी शहरों में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था हो, नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिले तथा स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना और मजबूत हो।

केंद्रीय मंत्रालय ने पत्र भेजकर दी राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की जानकारी

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र भेजकर रायपुर, बिलासपुर और बिल्हा के राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए चयन की औपचारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के सचिव श्री सतेंद्र सिंह ने राज्य में संचालित स्वच्छता गतिविधियों और नागरिक सहभागिता की सराहना करते हुए इन शहरों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने राज्यपाल श्री रमेन डेका को दी दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज लोकभवन में राज्यपाल श्री रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिलेवासियों को दी दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

मिट्टी के दीपक जलाने एवं सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल दीपावली मनाने की अपील

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर

दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा कि प्रकाश और उल्लास का यह महापर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली लेकर आए। दीपावली का प्रकाश प्रत्येक घर-परिवार को सकारात्मक ऊर्जा, उत्तम स्वास्थ्य एवं नई उपलब्धियों से आलोकित करे।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने जिलेवासियों से दीपावली पर्व को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक मिट्टी के पारंपरिक दीपकों का उपयोग कर स्थानीय कारीगरों एवं कुम्हारों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने तथा पटाखों के उपयोग के दौरान आवश्यक सावधानियां सुनिश्चित करने का आग्रह किया।



बिटिया वर्क अभियान के तहत 20 छात्राओं ने किया कलेक्टोरेट, पुलिस अधीक्षक एवं जिला पंचायत कार्यालय का शैक्षणिक भ्रमण













संवाददाता ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा उन्हें प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराने के उद्देश्य से 'बिटिया वर्क ङ्घ अभियान' के अंतर्गत जिले की 20 छात्राओं को विभिन्न शासकीय कार्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की छात्राओं ने कलेक्टोरेट, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला पंचायत कार्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने शासकीय कार्यालयों की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था और जनसेवा से जुड़े कार्यों को करीब से जाना।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय सिंह राणा, पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी से सौजन्य भेंट कर संवाद किया। अधिकारियों ने छात्राओं को अपने-अपने विभागों की भूमिका और जिम्मेदारियों की जानकारी दी तथा उनके सवालों का जवाब दिया।

कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने छात्राओं को जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रशासनिक व्यवस्था और शासकीय कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने छात्राओं को जीवन में स्पष्ट लक्ष्य तय करने और एकाग्रता, अनुशासन एवं निरंतर मेहनत के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। छात्राओं को कलेक्टर निवास का भी अवलोकन कराया गया, जहां उन्हें कलेक्टर के कार्य और दायित्वों से जुड़ी जानकारी मिली।

डिप्टी कलेक्टर श्री विजय सिंह राणा ने अपने विद्यालयीन जीवन के अनुभव साझा करते हुए प्रशासनिक सेवा में आने की प्रक्रिया, अधिकारियों के दायित्व और उनके कार्यों के बारे में बताया। पुलिस अधीक्षक श्री सुनील शर्मा ने पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिक सुरक्षा में पुलिस की भूमिका से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी, नियमित अध्ययन और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को प्रशासनिक सेवाओं में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना, बिहान योजना, मनरेगा और स्वच्छ भारत मिशन सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण विकास में पंचायतों की भूमिका और योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया को भी समझाया।

'बिटिया वर्क ङ्घ अभियान' के तहत आयोजित इस भ्रमण से छात्राओं को शासकीय कार्यालयों की वास्तविक कार्यप्रणाली समझने, प्रशासनिक अधिकारियों के अनुभवों से सीखने और अपने भविष्य के लक्ष्य तय करने का अवसर मिला। यह पहल बालिकाओं को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन कर रहा था नियमित समीक्षा; दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर नेटवर्क सुविधा

राज्य शासन की डिजिटल समावेशन की सोच को मिला बल, सहसपानी में बीएसएनएल का 4जी टावर ऑन एयर

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़

राज्य शासन की मंशा के अनुरूप दूरस्थ अंचलों तक संचार और डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में सहसपानी गांव में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। बीएसएनएल के 4जी सैचुरेशन प्रोजेक्ट के अंतर्गत स्थापित मोबाइल टावर से आज सुबह 11ः15 बजे 4जी सिग्नल प्रसारित होना शुरू हो गया। टावर के ऑन एयर होने से सहसपानी और आसपास के क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क सुविधा का विस्तार होगा। लंबे समय से बेहतर नेटवर्क की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों में इसे लेकर खुशी और उत्साह है।

सहसपानी का क्षेत्र पहाड़ियों से घिरा है और आसपास अभयारण्य होने के कारण यहां नेटवर्क सुविधा पहुंचाने तथा आवश्यक तकनीकी कार्य पूरा करने में कई चुनौतियां आईं। बीएसएनएल सारंगढ़ के एसडीओ श्री संजय कुमार साहू ने बताया कि परियोजना के विभिन्न चरणों में कठिनाइयों के बावजूद बीएसएनएल टीम ने प्रयास जारी रखे।





आवश्यक तकनीकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आज टावर को सफलतापूर्वक ऑन एयर किया गया।

दूरस्थ और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में संचार सुविधा उपलब्ध कराने के कार्यों की जिला प्रशासन द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिले के ऐसे क्षेत्रों तक नेटवर्क पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण कनेक्टिविटी स्थापित करना कठिन है। सहसपानी में 4जी टावर का चालू होना राज्य शासन की डिजिटल समावेशन और ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने की सोच को जमीन पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बेहतर मोबाइल नेटवर्क से ग्रामीणों को इंटरनेट आधारित सेवाओं का उपयोग करने में सुविधा मिलेगी। महतारी वंदन योजना, पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने, ऑनलाइन आवेदन एवं आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने में नेटवर्क सहायक होगा। बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल भुगतान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से संबंधित सुविधाओं तक पहुंच भी आसान हो सकेगी। इससे शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को सेवाओं से जुड़ने में सहूलियत मिलेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता को बढ़ावा मिलेगा।

श्री साहू ने बताया कि टावर चालू होने की सूचना से सहसपानी के लोगों में प्रसन्नता है।

न्यूज इन शॉर्ट



ओरछा आगजनी में घायलों को मुहैया कराया जायेगा बेहतर स्वास्थ्य लाभः मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने निवाड़ी जिले के ओरछा में वार्ड क्रमांक-1 में एलपीजी गैस सिलेण्डर के रिसाव के कारण आग लगने से हुए घायलों के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी दूरभाष पर प्राप्त की। उन्होंने कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश दिये।उल्लेखनीय है कि ओरछा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन मोहल्ला निवासी खलीद अहमद के मकान में एलपीजी गैस रिसाव होने से आग लगने की घटना हुई थी, जिस पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस डॉयल-112 की टीम द्वारा मुस्तैदी से समय रहते नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया था। इस कारण जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। प्रभारी मंत्री ने घायलों को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये हैं।

52वाँ उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह 13 से 15 नवंबर तक

भोपाल। पद्म विभूषण उस्ताद अलाउद्दीन खाँ की स्मृति में संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा मैहर में 52वें संगीत समारोह का आयोजन 13 से 15 नवंबर, 2026 तक किया जा रहा है। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी 13 नवंबर को शाम 7 बजे इसका शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री और मैहर की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।अकादमी के निदेशक श्री प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि मुख्य समारोह की पूर्व संध्या पर 12 नवंबर को पूर्वरंग का आयोजन होगा। इसमें स्थानीय और क्षेत्रीय कलाकार भारतीय शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियाँ देंगे। समारोह के तीनों दिन मुख्य प्रस्तुतियों से पूर्व मैहर वाद्य वृंद का वादन भी होगा। मारोह के पहले दिन 13 नवंबर को शाम 7 बजे सरोद और गायन की जुगलबंदी होगी। इसमें श्री शिराज अली खान सरोद बजाएंगे और कोलकाता के श्री अरिंदम भट्टाचार्य शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद सुश्री शांभवी शुक्ला मिश्रा और उनके साथी कथक नृत्य पेश करेंगे। अगली सभा में नासिक के पंडित प्रसाद खापर्डे का शास्त्रीय गायन होगा। प्रथम दिवस की अंतिम प्रस्तुति दिल्ली की विख्यात नृत्यांगना पद्मश्री गीता चंद्रन और उनके साथियों का भरतनाट्यम नृत्य होगी।अकादमी के उप निदेशक श्री शेखर करहाड़कर ने बताया कि 14 नवंबर को दूसरे दिन का आरंभ विशेष वृंद वादन से होगा। इसमें पंडित प्रसन्नजीत पोतदार, पद्मश्री येल्ला वेंकटेश्वर (मृदंग), पद्मश्री तरुण भट्टाचार्य (संतूर) और पद्मश्री रोनू मजूमदार (बाँसुरी) की संयुक्त प्रस्तुति होगी। इसके बाद दिल्ली की डॉ. अतसी मिश्रा और उनके साथी ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगे। अगली सभा में जयपुर की विदुषी दिव्या शर्मा का शास्त्रीय गायन होगा, जबकि दिन की अंतिम प्रस्तुति मुंबई के पंडित नित्यानंद हल्दीपुर का बाँसुरी वादन रहेगा।समारोह के अंतिम दिन 15 नवंबर को सबसे पहले रायपुर की सुश्री आर्या नंदे और उनके साथी ओडिसी नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद पुणे के श्री अभिषेक बोरकर का सरोद वादन और ग्वालियर के श्री निर्भय सक्सेना का शास्त्रीय गायन होगा। अगले क्रम में कोलकाता के पंडित सुगातो भादुड़ी मैंडोलिन बजाएंगे। समारोह का समापन उज्जैन की सुश्री खुशबू पांचाल और उनके साथियों की कथक नृत्य प्रस्तुति के साथ होगा।

उज्जैन के गौरव की गिर गाय राधा ने बनाया रिकार्ड, प्रतिदिन 19 लीटर से अधिक दूध देकर प्रदेश में हासिल किया सर्वाधिक दूध देने वाली गाय का स्थान

अब 9 नवंबर को गोवर्धन पर्व के अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाएगा सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ भोपाल

देशी नस्ल की गायों का पालन केवल हमारी समृद्ध पशुधन परंपरा और संस्कृति का हिस्सा ही नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की आर्थिक समृद्धि का एक सशक्त माध्यम भी है। सही देखभाल, संतुलित आहार और बेहतर पशुपालन प्रबंधन से देशी नस्ल की गायें भी दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। यह साबित कर दिखाया है उज्जैन जिले के वृंदावन ग्राम तालोद निवासी पशुपालक श्री गौरव रघुवंशी ने अपनी गिर नस्ल की गाय ÷राधा÷ के माध्यम से। उनकी गाय ने प्रतिदिन औसतन 19 लीटर से अधिक सर्वाधिक दूध



का उत्पादन कर प्रदेश की दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिता में अव्वल रही है।

ी गौरव रघुवंशी की यह उपलब्धि न केवल उनकी मेहनत और पशुपालन के प्रति समर्पण को दर्शाती है, बल्कि देशी नस्ल की गायों की क्षमता और इनके पालन से मिलने वाले आर्थिक अवसरों को भी रेखांकित करती है। पशुपालक श्री गौरव रघुवंशी ने बताया कि ÷राधा मेरे लिए सिर्फ एक गाय नहीं, बल्कि मेरे परिवार की महत्वपूर्ण सदस्य है।÷ उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा ग्राम तालोद को वृंदावन ग्राम घोषित किए जाने के बाद यहां देशी गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को विशेष प्रोत्साहन मिला है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा भी पशुपालकों को उन्नत नस्लों के गोपालन, दुग्ध उत्पादन और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने अपने पारंपरिक गोपालन को आगे बढ़ाते हुए गिर नस्ल की गाय खरीदी। राधा की बेहतर देखभाल, संतुलित पोषण और नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया। इसी का परिणाम है कि राधा ने प्रतिदिन औसतन 19 लीटर 760 ग्राम दूध उत्पादन कर प्रदेश भर में सर्वाधिक दूध उत्पादन का रिकॉर्ड बनाया है।

प्रदेश में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाली टॉप-5 गायें:पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रदेश में सर्वाधिक दूध उत्पादन करने वाली गायों की सूची में टॉप 5 जिलों की बात करें तो इसमें उज्जैन जिले के ग्राम तालोद निवासी श्री गौरव रघुवंशी की गिर गाय ने प्रतिदिन 19.760 लीटर दूध उत्पादन किया है। वहीं रतलाम जिले के ग्राम सुखेड़ा निवासी श्री मुकेश गलीटर प्रतिदिन दूध उत्पादन किया है।

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी का होगा भव्य विस्तार - लगभग 250 हेक्टेयर में फैलेगी सफारी



एक सत बुलेटिन ➤ भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मुकुंदपुर स्थित महाराजा मार्तण्ड सिंह जू देव व्हाइट टाइगर सफारी का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने सफारी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और इसके आगामी विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण योजना की समीक्षा की।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुकुंदपुर की यह व्हाइट टाइगर सफारी अब देश और प्रदेश में काफी प्रसिद्ध हो चुकी है। वन्यजीव प्रेमियों, वन विभाग के अधिकारियों और पर्यटकों के बीच इसे एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है। नेचुरल जंगल के बीच बनी यह टाइगर सफारी अपने आप में बेहद अनोखी है, जहाँ जानवरों को प्रसन्नता से विचरण करते देखना मन को प्रसन्न करता है।

वर्तमान में यह व्हाइट टाइगर सफारी लगभग 120 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है, जिसमें लगभग 119 हेक्टेयर का अतिरिक्त क्षेत्रफल और जोड़ने की योजना है। इसके पश्चात इसका कुल क्षेत्रफल बढ़कर लगभग 250 हेक्टेयर हो जाएगा। ?विस्तार योजना के तहत 25 हेक्टेयर में व्हाइट टाइगर सफारी और शेष भाग में चिड़ियाघर शामिल रहेगा।

?नए विस्तार क्षेत्र में 36 हेक्टेयर भूमि पर %विंध्य वन सफारी% बनाई जाएगी। इसके अलावा, 30 हेक्टेयर क्षेत्र में %साउथ अफ्रीकन सफारी% का निर्माण किया जाएगा। बचे हुए क्षेत्रफल में जिराफ, जेबरा और अन्य शाकाहारी वन्यजीवों को स्वतंत्र रूप से जंगल में छोड़ा जाएगा। पर्यटकों को गाड़ी से गुजरते समय इन जानवरों के सड़क पार करने जैसे मनमोहक दृश्य देखने को मिलेंगे, जो बिल्कुल नेशनल पार्क जैसा अहसास कराएंगे।उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संपूर्ण विस्तार योजना की समीक्षा कर ली गई है। सरकार की यह कोशिश है कि इस योजना को जल्द से जल्द मंजूरी मिले और तेजी से काम शुरू किया जाए, ताकि पर्यटकों को यहाँ एक नया और भव्य अनुभव प्राप्त हो सके।उप मुख्यमंत्री ने सफारी में बंगाल टाइगर, सफेद बाघ, लेपर्ड, तेंदुआ, बटरफ्लाई पार्क, रेप्टाइल हाउस सहित विभिन्न बाड़ों का अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री. डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से सफाई कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर आत्मीय चर्चा हुई।



हम गरीब के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, ईश्वर से यही कामना हैः मुख्यमंत्री डॉ. यादव



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुख-समृद्धि के पर्व धनतेरस की शुभकामनाएं दीं

मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में किया पूजन अर्चन

एक सत बुलेटिन ➤ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दीपोत्सव के शुभारंभ और सुख समृद्धि की मंगल कामना के पावन पर्व धनतेरस पर मुख्यमंत्री निवास स्थित मंदिर में पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि आश्रम के प्राचीन कुंडेश्वर महादेव मंदिर में विराजमान भगवान कुबेर से सभी के जीवन में वैभव और आरोग्यता बनाए रखने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सब परमात्मा की कृपा और अपने सामर्थ्य व समृद्धि से गरीब से गरीब आदमी के जीवन में सुख का सवेरा लाएं, सभी के काम आएं और जियो और जीने दो के भाव को बढ़ाएं, ईश्वर से यही कामना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के माध्यम से प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान धन्वंतरि जी की पूजा होती है और आज से ही दीपावली का पर्व प्रारंभ होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और हमारा प्रदेश भी श्री मोदी के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। हमारा राज्य निवेश के मामले में पूरे देश में सबसे तेज गति से आगे चल

पीएम जनमन योजना से बैगा बस्तियों में पहुंची बिजली की रोशनी, बच्चों की पढ़ाई से लेकर जीवनशैली तक आया बदलाव

ग्राम सनौसी के 26 बैगा परिवारों के घर हुए रोशन

ग्राम चंदेला के हितग्राही लालचंद बैगा बोले- अब बच्चे अच्छी तरह पढ़ पा रहे हैं

जिले के 61 ग्रामों में विद्युतीकरण पूर्ण 1370 हितग्राहियों को मिले विद्युत कनेक्शन

137 ग्रामों के 1366 हितग्राहियों की कार्ययोजना वरिष्ठ कार्यालय को भेजी

एक सत बुलेटिन ➤ भोपाल

जिले के दूरस्थ वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के बैगा परिवारों के जीवन में बिजली की रोशनी नई खुशियां लेकर आई है। वर्षों से बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित इन परिवारों के घर अब रोशन हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना के माध्यम से सुदूर बैगा बस्तियों तक बिजली पहुंचने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों और दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अब बैगा परिवार भी बिजली की रोशनी में दीपावली सहित अन्य त्योहार मना सकेंगे। जिले के ग्राम सनौसी में लगभग 4 लाख 72 हजार रुपये की लागत से विद्युतीकरण कर 26 बैगा परिवारों को लाभान्वित किया गया है, वहीं ग्राम चंदेला के हितग्राही लालचंद बैगा ने बिजली मिलने के बाद बच्चों की पढ़ाई में आए बदलाव को साझा करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्राम सनौसी के 26 बैगा परिवारों के घर हुए रोशन

ब्यौहारी जनपद पंचायत के दूरस्थ ग्राम सनौसी का बैगा टोला इसका उदाहरण है। यहां निवासरत बैगा परिवार लंबे समय से बिजली की सुविधा के अभाव में जीवनयापन कर रहे थे। सूर्यास्त होते ही पूरा टोला अंधेरे में डूब जाता था। बच्चों की पढ़ाई मिट्टी के तेल के दीयों की सीमित रोशनी तक सिमटी रहती थी। जंगल से लगे होने के कारण रात के समय सांप, बिच्छू और अन्य जंगली जीव-जंतुओं का भय भी बना रहता था। मोबाइल फोन चार्ज करने जैसी सामान्य सुविधा के लिए भी ग्रामीणों को दूसरे गांवों तक जाना पड़ता था।

बैगा परिवारों की इन समस्याओं को दूर करने के लिए पीएम जनमन योजना के अंतर्गत ग्राम सनौसी के बैगा टोले का चयन किया गया। यहां लगभग 4 लाख 72 हजार रुपये की लागत से विद्युतीकरण का कार्य कराया गया। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद विद्युत विभाग एवं प्रशासन के समन्वय से विद्युत खंभे स्थापित किए गए, तार बिछाए गए तथा घरों में मीटर और बल्ब लगाए गए। इस कार्य से लगभग 26 बैगा परिवार लाभान्वित हुए हैं।

बच्चों की पढ़ाई से लेकर सुरक्षा तक मिला लाभ

ग्राम सनौसी में बिजली पहुंचने से बच्चों को शाम और रात के समय भी पढ़ाई करने की सुविधा मिली है। पहले रोशनी के अभाव में सूर्यास्त के बाद बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, लेकिन अब घरों में बिजली के बल्ब की रोशनी में बच्चे आसानी से अध्ययन कर सकेंगे। घरों और आंगनों में रोशनी होने से ग्रामीणों को आवागमन तथा घरेलू कार्यों में भी सुविधा मिलेगी। मोबाइल चार्जिंग के लिए दूसरे गांवों पर निर्भरता समाप्त होने के साथ ग्रामीण आसानी से अपने परिजन से संपर्क कर सकेंगे।विद्युत सुविधा से छोटे-मोटे घरेलू कार्यों और कुटीर उद्योगों को भी बढ़ावा मिलने की संभावनाएं हैं। वहीं कृषि गतिविधियों में बिजली की उपलब्धता से सिंचाई, सब्जी उत्पादन और अन्य सिंचित फसलों की खेती को प्रोत्साहन मिल सकेगा।



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल का मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। उन्होंने राज्यपाल को दीपावली की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही समसामयिक विषयों पर चर्चा की।

इंदौर पहुंचीं भारत-वेस्टइंडीज की टीमें, फैंस पर चढ़ा क्रिकेट रंग



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है।स्टेडियम के बाहर दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, टी-शर्ट और कैप सज गई हैं। क्रिकेट प्रेमी खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं शनिवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से इंदौर पहुंचे।यरपोर्ट से खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच चार्टर्ड बसों से होटल ले जाया गया। भारतीय टीम रेडिसन और वेस्टइंडीज की टीम मैरियट होटल में ठहरी है।मैच से पहले खिलाड़ियों की सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों टीमों के अभ्यास के लिए दो पिच तैयार की गई हैं। कोच गौतम गंभीर होलकर स्टेडियम पहुंचे और उन्होंने पिच देखी। वेस्टइंडीज टीम की तरफ से अभी तक कोई पिच देखने नहीं पहुंचा है।

भारतीय टीम रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में ठहरी

भारतीय टीम रेडिसन होटल में ठहरेगी, जबकि वेस्टइंडीज की टीम के लिए मैरिएट होटल में व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों की आवाजाही, सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मैदान के बाहर भी तैयार कीं दो पिचें

भारत और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के अभ्यास को ध्यान में रखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। बल्लेबाजों की नेट प्रैक्टिस के लिए मैदान के बाहर अमय खुरासिया एकेडमी में दो पिचें तैयार की गई हैं।इन्हें होलकर स्टेडियम की पिचों के समान परिस्थितियां देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, ताकि बल्लेबाजों को अभ्यास के दौरान मैच जैसी स्थिति मिल सके। इसके अलावा होलकर स्टेडियम के अंदर गेंदबाजों के अभ्यास के लिए भी दो अलग पिचें तैयार की गई हैं। जरूरत के अनुसार खिलाड़ी इनका उपयोग कर सकते हैं।दोनों टीमों के लिए कोई अनिवार्य आधिकारिक अभ्यास सत्र निर्धारित नहीं है। ऐसे में अभ्यास करने या नहीं करने का फैसला खिलाड़ी और टीम मैनेजमेंट अपनी सुविधा के अनुसार लेंगे।

PM मोदी से मिले क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव



दिल्ली में परिवार के साथ मुलाकात की, पीएम बोले- दीपावली के माहौल में सरयू और राम आए
नई दिल्ली23 घंटे पहले

फिल्म दूसरा पर गांगुली के अधिकारों के उल्लंघन का आरोप



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने फिल्म 'दूसरा' के निर्माताओं को सौरव गांगुली के व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों के मामले में दो करोड़ रुपए की बिना शर्त बैंक गारंटी जमा करने का आदेश दिया है। शुक्रवार को अदालत ने पहली नजर में माना कि फिल्म में गांगुली की पहचान और उनके क्रिकेट करियर से जुड़े पलों का इस्तेमाल उनके अधिकारों का उल्लंघन कर सकता है। कोर्ट ने निर्माताओं को फिल्म की शुरुआत और अंत में डिस्क्लेमर लगाने का निर्देश भी दिया है। हालांकि, अदालत ने फिल्म की रिलीज पर रोक नहीं लगाई, क्योंकि यह 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ चुकी है। ऐसे में फिल्म की स्क्रीनिंग जारी रह सकेगी, लेकिन निर्माताओं को कोर्ट की तय शर्तें पूरी करनी होंगी।

बैंक गारंटी का मतलब क्या है, मेकर्स को ?2 करोड़ क्यों देने होंग

सीरीज में 2-0 की बढ़त

भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को हराया:बारिश के कारण ष्ठस्स् से फैसला, गुरनूर बरार को 4 विकेट;

एजेंसी ➤ वेलिंगटन

बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में भारत ने न्यूजीलैंड को डकवर्थ-लुईस (ष्ठस्स्) नियम से 4 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।

वेलिंगटन में बारिश के कारण मुकाबला 47 ओवर का कर दिया गया था। टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर



सिमट गई। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। भारत के लिए गुरनूर बरार ने 30 रन देकर 4 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। 135 रन का पीछा करते हुए भारत ने 26 ओवर में 7 विकेट पर 113 रन बनाए थे, तभी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इस समय ष्ठस्स् के तहत भारत का पार स्कोर 109 रन था। टीम इससे 4 रन आगे थी और इसी आधार पर जीत मिली। श्रेयस अय्यर ने 30, केएल राहुल ने नाबाद 26 और रोहित शर्मा ने 23 रन बनाए।

व्यापार

मारुति की कारें अगस्त से 30,000 तक महंगी हो जाएंगी

2 महीने में दूसरी बार कीमतें बढ़ाईं, कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से फैसला लिया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी पैसेंजर वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोत्तरी का ऐलान किया है। कंपनी अपनी कारों के दाम 30,000 रुपए तक बढ़ाएगी। नई कीमतें अगस्त 2026 से लागू होंगी। कंपनी ने 21 जुलाई, मंगलवार को शेयर बाजारों को भेजी जानकारी यानी रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। अलग-अलग मॉडल और वैरिएंट के हिसाब से अलग-अलग दाम बढ़ाए जाएंगे।

कंपनी बोली- इनपुट कॉस्ट बढ़ने से लेना पड़ा फैसला

कंपनी ने बताया कि लगातार बढ़ रही इनपुट कॉस्ट यानी लागत बढ़ने की वजह से यह फैसला लेना पड़ा है। पिछले कुछ महीनों में कंपनी ने अपने स्तर पर लागत घटाने की कोशिश की, ताकि ग्राहकों पर सीधा असर न पड़े। हालांकि, महंगाई दर ऊंची रहने और कारोबारी माहौल अनुकूल न होने की वजह से



बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना मजबूरी हो गया है।

2 महीने में दूसरी बार बढ़ेंगे दाम

इस साल मारुति सुजुकी की तरफ से यह पहली बढ़ोत्तरी नहीं है। इससे पहले कंपनी ने जून 2026 में भी अपने सभी मॉडल्स की कीमतों में 30,000 रुपए तक का इजाफा किया था। उस बढ़ोत्तरी का ऐलान 21 मई 2026 को किया गया था। उस समय भी कंपनी ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी और महंगाई के दबाव को ही मुख्य वजह बताया था। अगस्त से लागू होने वाला नया संशोधन जून में हुई बढ़ोतरी के ऊपर अतिरिक्त इजाफा होगा।

3.50 लाख से ?25 लाख तक के वाहन बेचती है कंपनी मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एंट्री-लेवल हैचबैक से लेकर प्रीमियम सेगमेंट की गाड़ियां बेचती है। इनमें एंट्री-लेवल मॉडल स्-क्कह्लह्वह्यश से लेकर प्रीमियम स्क्कह्ल इनविक्टो शामिल हैं। फिलहाल कंपनी के पोर्टफोलियो की एक्स-शोरूम कीमतें ?3.50 लाख से शुरू होकर ?25 लाख तक जाती हैं। अगस्त से होने वाली बढ़ोतरी के बाद एंट्री-लेवल और प्रीमियम दोनों सेगमेंट की कारें महंगी हो जाएंगी।शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे अपने किसी भी बड़े बिजनेस फैसले, मुनाफे, नुकसान या कीमतों में बदलाव की जानकारी %सेबी% या स्टॉक एक्सचेंज को दें। इसी आधिकारिक दस्तावेज को रेगुलेटरी फाइलिंग कहते हैं। इनपुट कॉस्ट- किसी भी कार को बनाने में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (जैसे स्टील, प्लास्टिक, एल्युमिनियम, रबर और इलेक्ट्रॉनिक्स) की कुल लागत को इनपुट कॉस्ट कहा जाता है।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद:निफ्टी भी 191 अंक फिसलकर 23996 पर आया;

एजेंसी ➤ मुंबई

शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, ढ्ढञ्ज, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए। को इस तिमाही में 3,962.13 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। वहीं, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 6,123.93 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था। इसके अलावा, मार्च तिमाही में भी इस तेल मार्केटिंग कंपनी ने 3,191.49 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ था।

94 डॉलर पर पहुंचा कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड में आज करीब 3त्न की तेजी है। ये 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ा, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार रहा इंडेक्स लेवल पॉइंट चेंज परसेंट चेंज

कोस्पी (साउथ कोरिया)	6798	+50	+0.74त्न
निक्केई (जापान)	66116	-117	-0.18त्न
हैंगसेंग (हॉन्गकॉन्ग)	24893	-240	-0.95त्न

21 जुलाई को अमेरिकी बाजार में बढ़त रही थी



इंडेक्स	लेवल	पॉइंट चेंज	परसेंट चेंज
डाउ जोन्स	52225	+385	+0.74त्न
नैस्डैक	25837	+329	+1.29त्न
स्×क्क500	7509	+66	+0.89त्न

7 दिन में विदेशी निवेशकों ने ?4,660 करोड़ के शेयर खरीदे

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी 21 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी।

बोनस शेयर का प्लान टला; पहली तिमाही में मुनाफा 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा

रिजल्ट के बाद पेटीएम का शेयर 4प्रतिशत फिसला

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद पेटीएम के शेयरों में आज मंगलवार 21 जुलाई को गिरावट रही। बाजार खुलते ही शेयर में 2.5त्न से ज्यादा की तेजी आई, लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिर गया। ये 3.86त्न नीचे ?1295 पर बंद हुआ।

विजय शेखर शर्मा की अगुआई वाली इस फिनटेक कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा है। पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 79त्न बढ़कर 220 करोड़ रुपए दर्ज किया गया है। लेकिन बोनस शेयर टलने की खबर से बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

पेटीएम ने 2 सालों में निवेशकों का पैसा लगभग तीन गुना किया

कंपनी के शेयर ने बीते 2 सालों में निवेशकों का



पैसा लगभग तीन गुना किया है। हालांकि, मार्केट डेब्यू के करीब 5 साल बाद भी यह शेयर अपने आईपीओ प्राइस ?2,150 से नीचे है। 30 जून 2026 को समाप्त हुई इस तिमाही में ऑपरेशन्स से पेटीएम का रेवेन्यू 28त्न बढ़कर ?2,448 करोड़ पर पहुंच गया है, जो एक साल पहले इसी अवधि में ?1,918 करोड़ था। वहीं कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 79त्न बढ़कर ?220 करोड़ रहा है।

कंपनी को अपने पेमेंट बिजनेस, मर्चेंट सब्सक्रिप्शन और फाइनेंशियल सर्विसेज डिस्ट्रीब्यूशन में लगातार ग्रोथ से यह मुनाफा हासिल हुआ है। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में पेटीएम को ?123 करोड़ का मुनाफा हुआ था। वहीं, मार्च तिमाही में ?183 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

पेटीएम मनी में ?100 करोड़ के निवेश को मंजूरी

पेटीएम के बोर्ड ने अपनी सब्सिडियरी कंपनी पेटीएम मनी में राइट्स इश्यू के जरिए ?100 करोड़ तक के निवेश को मंजूरी दी है। इस फंड का इस्तेमाल टेक्नोलॉजी में निवेश, रेगुलेटरी कैपिटल जरूरतों को पूरा करने और कंपनी के इन्वेस्टमेंट व वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस के विस्तार के लिए किया जाएगा।

आईपीओ के बचे 1,686 करोड़ के इस्तेमाल का प्लान बदला

कंपनी के बोर्ड ने आईपीओ से मिली अनयूज्ड 1,686 करोड़ की बची हुई रकम के इस्तेमाल और उसकी समय-सीमा में बदलाव का प्रस्ताव भी पास किया है।

अडाणी एनर्जी का मुनाफा 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़:पहली तिमाही में रेवेन्यू 42त्न चढ़ा;

एजेंसी ➤ मुंबई

अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दोगुना से ज्यादा यानी 124त्न बढ़कर 1,149 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कंपनी की कुल कमाई में तेज बढ़ोतरी और रेगुलेटरी डेफरल इनकम में आए पॉजिटिव बदलाव से नतीजों को मजबूती मिली है। नतीजों की घोषणा के बाद अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर दोपहर के कारोबार में 3त्न चढ़कर 1,781.2 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि, यह 1,737 रुपए पर बंद हुआ।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 42त्न बढ़ा

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू सालाना आधार पर 42.4त्न बढ़कर 9,711 करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 6,819 करोड़ रुपए था। कंपनी का ऑपरेशनल मुनाफा (श्वक्कह्लह्वह्लष्ठ) 30त्न बढ़कर 3,008 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, श्वक्कह्लह्वह्लष्ठ मार्जिन में मामूली गिरावट देखी गई और यह पिछले साल के 33.9त्न से घटकर 31त्न पर आ गया।

कंपनी को रेगुलेटरी इनकम का मिला फायदा

कंपनी ने पहली तिमाही में 29 करोड़ रुपए की रेगुलेटरी डेफरल इनकम दर्ज की है। इसकी तुलना में पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 504 करोड़ रुपए का रेगुलेटरी डेफरल खर्च उठाना पड़ा था। इस पॉजिटिव बदलाव ने कंपनी के नेट मुनाफे को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है।

कंपनी के बिजनेस सेगमेंट का परफॉर्मेंस

कंपनी के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट्स में भी अच्छी ग्रोथ देखने को मिली हैज

ट्रांसमिशन बिजनेस- कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 52.4त्न की भारी बढ़ोतरी के साथ 3,335.3 करोड़ रुपए पहुंच गया।

डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस- इस सेगमेंट से रेवेन्यू 5त्न बढ़कर 3,520.4 करोड़ रुपए हो गया।

स्मार्ट मीटरिंग बिजनेस- इसमें 200त्न से अधिक की ग्रोथ दर्ज की गई और रेवेन्यू 346.9 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एनर्जी सॉल्यूशंस प्लेटफॉर्म- इस प्लेटफॉर्म से होने वाला रेवेन्यू 9 गुना से ज्यादा उछलकर 1,906.8 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।



पर्यावरणीय नक्शे पर अतिक्रमण

एंटी हेलगन के इस्तेमाल पर लगी अदालती रोक के अर्थ समझने होंगे। यह बागबानी क्षेत्र के अनुसंधान तथा बचाव के सामने आया ऐसा आदेश है जो पर्यावरण संरक्षण की कुंडियां खोल रहा है। पर्यावरणीय संतुलन के खिलाफ विज्ञान का स्वार्थी रुख कई बार सामुदायिक मुसीबतें खड़ी कर देता है। इस मामले में भी गरजती हेलगन द्वारा खदेड़े गए बादलों ने कहीं अन्यत्र खिसक कर भारी बारिश कर दी। इस तरह कहीं की आद्रता कहीं पहुंच गई।

बहरहाल आपदा के दुष्चक्र की निशानी में हेलगन का विकल्प रोका जा रहा है। करीब पंद्रह सालों से हेलगन एक उपाय बन कर सेब आर्थिकी के जख्म पौंछ रही थी, लेकिन विज्ञान आधारित उपकरण ने बादलों के सिर मूंड कर कहीं ओले बरसा दिए। विज्ञान के सामने प्रकृति का पारंपरिक स्वभाव अगर विचलित होता है, तो एक फसल बचाते-बचाते हम कई अन्य उजाड़ देंगे। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में बागबानी विश्वविद्यालय को अपने अनुसंधान के तर्क में आगे बढऩे की राह खोजनी होगी। हिमाचल में विकास के हर पहलू का असर पर्यावरण के लिए चुनौतियां पैदा कर रहा है। यह शहरीकरण, परिवहन, पर्यटन तथा आवासीय बस्तियों के विस्तार में दर्ज हो रहा है। हिमाचल प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण का मुख्यालय जैसे ही धर्मशाला पहुंचा है, निर्माण की सुर्खियां बदलने लगी हैं। आवासीय मांग से प्लॉटिंग में आई तेजी ने बता दिया कि इस क्षेत्र के नुक्ते गैर कानूनी है।पर्वतीय व भौगोलिक स्थिति के अन्वेषण के बिना जमीनें बिक रही हैं, तो पड़ताल जरूरी है। पहले ही खड्डों-नालों के करीब बसे लोग आपदाओं से दो चार हो रहे हैं, तो अब नई बस्तियों के नाम पर ऐसी कोताही रोकनी होगी। खैर रेरा की फाइलों ने नवनिर्माण के घातक चिन्ह खोजने में कड़ा रुख अख्तियार किया है, तो कुछ परियोजनाओं पर विराम लगा है। यहां रेरा की तर्ज पर शहरी विकास योजनाओं को विकास से सुदृढ़ कदम लेने में निकायों के हाथ मजबूत करने होंगे, जबकि हिमुडा के तहत हुए मांग सर्वेक्षणों के आधार पर नए विकल्प तैयार करने पड़ेंगे। पर्यावरण सुरक्षा का एक दबाव शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कूड़ा-कर्कट प्रबंधन से जुड़ा विषय भी है। पूरे प्रदेश की तस्वीर से रिसता टनों कचरा आज पर्यावरणीय दृष्टि से खतरनाक सिद्ध हो रहा है, जबकि शहरी परिवेश के करीब से बहती नदियों, नालों, खड्डों या कूहलों पर हुए अतिक्रमण ने स्थिति को और विकराल कर दिया है। प्रदेश में पर्यावरण के नक्शे पर विकास का अतिक्रमण दिखाई दे रहा है, तो जेसीबी मशीनों ने नवनिर्माण की मान्यताएं ही तोड़ दी हैं। शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों की कैरिंग कैपेस्टी के खिलाफ निर्माण के अलावा बढ़ती जनसंख्या या पर्यटक आमद का विश्लेषण करना पड़ेगा। अभी हाल ही में लंबे सप्ताहांत के कारण पर्यटन का एक रेला पहाड़ों की व्यवस्था के खिलाफ साबित हुआ। धर्मशाला के त्रियूंड तक इस दौरान ट्रैकिंग की भीड़ ने मकसद और सुकून दोनों ही धराशाई नहीं किए, बल्कि पर्यावरणीय ऊर्जा भी तहस नहस की। पर्यटन उद्योग के फैलते पंजों पर यदा कदा एनजीटी भी सख्त निर्देश देता है, लेकिन राज्य ने आज तक इस दृष्टि से स्पष्ट दिशा निर्देश और खाके नहीं बनाए।

(एक नजर)

मंगल के नक्षत्र में सूर्य गोचर

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राजा सूर्य देव का स्थान बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ-साथ उनके नक्षत्र गोचर का प्रभाव भी सभी 12 राशियों के जीवन पर सीधा असर डालता है। 11 अक्टूबर को सूर्य देव अपनी स्थिति में बदलाव करते हुए मंगल के स्वामित्व वाले चित्रा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस नक्षत्र परिवर्तन से अगले 14 दिनों तक यानी 24 अक्टूबर तक कुछ चुनिंदा राशियों के जातकों को चौतरफा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं।जब भी सूर्य ग्रह ऊर्जा के कारक मंगल के नक्षत्र में गोचर करते हैं, तो जातकों के आत्मबल और नेतृत्व क्षमता में जबरदस्त वृद्धि होती है। इस अवधि में व्यक्ति बिना किसी हिचकिचाहट के साहसी निर्णय लेते हैं, जिससे उन्हें करियर, बिजनेस और प्रॉपर्टी के मामलों में बंपर सफलता हाथ लगती है। आइए जानते हैं कि सूर्य के इस महत्वपूर्ण नक्षत्र गोचर से किन 5 भाग्यशाली राशियों की किस्मत चमकने वाली हैञ्मेष राशिः सूर्य का यह नक्षत्र गोचर मेष राशि के जातकों के लिए आत्मविश्वास में जबरदस्त बढ़ोतरी लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई बड़ी और नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। लंबे समय से रुके हुए कार्य गति पकड़ेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मोर्चे पर भी राहत मिलने के पूरे आसार हैं।

विचार

आंदोलन का मौसम

गुरमीत बेदी

लेखक

अब मौसम विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी बढ़ा लेनी चाहिए। तापमान और बारिश के साथ यह भी बताना चाहिए कि आज शहर में आंदोलन का तापमान कितना रहेगा। कहां धरना होगा, कहां चक्का जाम होगा और किस रास्ते से निकलने पर आम आदमी की शाम घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाएगी। हमारे यहां आंदोलन भी अब मौसम की तरह मौसमी हो गए हैं। चुनाव नजदीक आते ही इनकी रफ्तार वैसे ही बढ़ जाती है जैसे गर्मी में बिजली का बिल। आंदोलन शुरू होते ही सबसे पहले माइक आता है, फिर बैनर, फिर नारे और अंत में नेता जी। नेता जी आते ही जनता के दुख-दर्द को इतनी गंभीरता से बताते हैं जैसे कल ही उन्हें इस देश में पैदा किया गया हो।

गर्मी का मौसम अब जाने लगा है। आंदोलन का मौसम दस्तक दे चुका है। पहले गर्मी ने परेशान किया। गर्मी के बीच लगने वाले बिजली कट ने परेशान किया। फिर हर महीने भारी भरकम बिजली के बिलों ने परेशान किया। अब आंदोलन का मौसम परेशान करने वाला है। आंदोलन के मौसम में भले ही कई दलों के राजनीतिक नेताओं की चांदी हो जाए लेकिन हमारे जैसे आम आदमी को आंदोलन के दौरान कभी सडक़ जाम तो कभी सरकारी बसों की हड़ताल से जूझना पड़ता है। जब जब आंदोलन होते हैं आम आदमी के मुख से यही निकलता है किञ्इस आंदोलन ने बड़ा दुख दीना!' अब मौसम विभाग को भी अपनी जिम्मेदारी बढ़ा लेनी चाहिए। तापमान और बारिश के साथ यह भी बताना चाहिए कि आज शहर में आंदोलन का तापमान कितना रहेगा। कहां धरना होगा, कहां चक्का जाम होगा और किस रास्ते से निकलने पर आम आदमी की शाम घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाएगी। हमारे यहां आंदोलन भी अब मौसम की तरह मौसमी हो गए हैं। चुनाव नजदीक आते ही इनकी रफ्तार वैसे ही बढ़ जाती है जैसे गर्मी में बिजली का बिल। आंदोलन शुरू होते ही सबसे पहले माइक आता है, फिर बैनर, फिर नारे और अंत में नेता जी। नेता जी आते ही जनता के दुख-दर्द को इतनी गंभीरता से बताते हैं जैसे कल ही उन्हें इस देश में पैदा किया गया हो। कैमरा सामने आते ही आवाज में क्रांति उतर आती है- 'हम जनता के साथ हैं!' आम आदमी मन ही मन पूछता है- साहब, जनता के साथ हैं तो रास्ता भी जनता के लिए छोड़ दीजिए। मगर यह सवाल पूछने का समय किसके पास है? नेता जी को भाषण देना है, कार्यकर्ताओं को नारे लगाने हैं और पुलिस को बैरिकेड संभालने हैं। फंसना सिर्फ आम आदमी को है।



अस्पताल जाने वाला मरीज, स्कूल से लौटता बच्चा, नौकरी पर जाने वाला कर्मचारी और दुकान खोलने वाला दुकानदार- सब लोकतंत्र की इस महान कवायद में अनजाने प्रतिभागी बन जाते हैं। आंदोलनकारी कहते हैं- 'हम जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं।' सडक़ पर फंसा आम आदमी सोचता है- 'भाई, लड़ाई मेरी है तो कम से कम मुझे घर तो जाने दो!' सरकारों का भी आंदोलन से निपटने का अपना विज्ञान है। पहले ज्ञापन लो, फिर आश्वासन दो, फिर कमेटी बनाओ। कमेटी अध्ययन करेगी, अध्ययन के बाद रिपोर्ट आएगी और रिपोर्ट आने तक अगला आंदोलन शुरू हो जाएगा। इस तरह समस्या भी जीवित रहती है और राजनीति भी। विपक्ष में बैठा नेता आंदोलन को लोकतंत्र की आवाज बताता है और सत्ता में आते ही वही आंदोलन उसे कानून-व्यवस्था का संकट दिखाई देने लगता है। राजनीति में कुर्सी सचमुच बहुत शक्तिशाली वस्तु है, कुर्सी बदलते ही विचारधारा का चश्मा भी बदल जाता है। आजकल आंदोलन का एक डिजिटल रूप भी आ गया है। पहले नारे दीवारों पर लिखे जाते थे, अब सोशल मीडिया पर हैशटैग चलते हैं। धरना स्थल पर जितने लोग हों उससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वीडियो कितने लोगों ने देखा। क्रांति अब लाइव होती है और कभी-कभी रील बनकर अगले दिन तक खत्म भी हो जाती है। मगर असली समस्या वहीं रहती है- महंगाई, बेरोजगारी, बिजली के बिल, सडक़ें और आम आदमी की रोजमर्रा की परेशानियां। हमें आंदोलन से कोई शिकायत नहीं। लोकतंत्र में विरोध जरूरी है और सरकार को जनता की आवाज सुननी भी चाहिए। लेकिन एक विनम्र सुझाव जरूर है- जनता की लड़ाई लड़ते समय जनता को ही बंधक न बनाया जाए। सरकार के खिलाफ नारे लगाइए, ज्ञापन दीजिए, धरना दीजिए, बैरिकेड हिलाइए, मगर आम आदमी के लिए एक लेन खुली छोड़ दीजिए। क्योंकि नेता जी का आंदोलन खत्म

विचार

औद्योगिक प्रदूषण -एक खतरनाक बुराई

कुलभूषण उपमन्यु

लेखक

श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है।

वर्तमान सभ्यता मूलतः औद्योगिक सभ्यता है। दैनिक जरूरतों के सामानों से लेकर सब तरह के ऊर्जा, सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण आदि से संबंधित सामान और उपकरण बड़े पैमाने पर उद्योगों में ही बनाना संभव है। इसलिए दुनिया भर में उद्योगों की स्थापना की होड़ लगी रहती है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता। लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है। उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं, तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवनयापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं। पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शून्य से एक सौ के स्केल से मापा जाता है। 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है। सीमेंट, खनिज तेल रिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है। चौथी श्रेणी श्वेत श्रेणी है। 0 से 20 प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग इसमें आते हैं। इसमें सौर ऊर्जा प्लांट, वायु ऊर्जा प्लांट और बाईसिकल असेंबली जैसे उद्योग आते हैं। इनके लिए स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है, केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचना मात्र देनी होती है। हिमाचल में बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ में सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित हैं। करीब 3000 इकाइयां यहां स्थापित हैं जिनमें से 380 लाल श्रेणी की, 1400 संतरी श्रेणी की हैं। इनमें से 500 के लगभग इकाइयां जहरीली गैसें वातावरण में छोड़ रही हैं। कुछ के पास तो प्रचालन स्वीकृतियां भी नहीं हैं। अधिकांश अपशिष्ट उपचार संयंत्र कम क्षमता के हैं या अकुशल हैं। शिवालिक अपशिष्ट प्रबन्धन प्लांट भी मनमर्जी से काम करता है। कई उद्योगों पर प्रदूषित पदार्थों को जमीन में पंप करके डाल देने का आरोप है। यह राज्य के अंदर और पड़ोसी राज्यों में भी स्वास्थ्य से बड़े खिलवाड़ का मामला है। अतः पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यह औद्योगीकरण के अंध विरोध का भी मामला नहीं है। किन्तु टिकाऊ और जन अभिमुख विकास के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण होना ही चाहिए, वरना विकास का अर्थ ही अनर्थ में बदल जाता है। यहां से प्रदूषित वायु और जल पंजाब को भी प्रभावित कर रहा है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हिमाचल के बोर्ड को लिखा भी है कि इस क्षेत्र का प्रदूषित अपशिष्ट सतलुज तक पहुंच रहा है। अवैध डंपिंग से रिस कर कुछ अपशिष्ट सिरसा नदी को प्रदूषित कर रहा है जिसका असर हरियाणा तक हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट को इस तरह स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने नहीं दिया जा सकता।गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधारने की मांग की है। अभियान के संयोजक गुमान सिंह ने बताया कि कुछ इकाइयों के आसपास तो बदबू से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। उद्योगों में हिमाचल के 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 68650 लोगों को काम मिला है, शेष करीब 26000 कर्मचारी बाहरी राज्यों से हैं। किन्तु इसके बदले पर्यावरणीय बर्बादी और स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष खतरे को फैलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। गत दिनों कुछ शोध सामने आए हैं जिनसे पता चला है कि हिमाचल में स्वास्थ्य की स्थितियां चिंताजनक होती जा रही हैं। विशेषकर कैंसर जैसे रोगों का फैलाव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हो गया है। बीबीएन में काम करने वाले मजदूर या अन्य कार्यकर्ता भी इस दंश से बचे नहीं हैं। अशुद्ध जल के कारण पीलिया जैसे रोग आम हैं जिसकी चपेट में आकर कई जान गंवा चुके हैं। औद्योगिक कार्यकर्ताओं के लिए इलाज की भी उचित व्यवस्थाएं नहीं हैं जिसके चलते मुश्किल से न्यूनतम मजदूरी पर काम करने वाले महंगे इलाज तक पहुंच ही नहीं पाते। बीबीएन विकास योजना में ही उद्योग, बौय्लर, गैसों का उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाना और रासायनिक कणों के उत्सर्जन को वायु प्रदूषण का कारण माना गया है, जिससे खांसी, गले में खराश, बलगम, श्वास, ब्रोंकाईटिस, अन्य श्वसन संबंधी रोग, फेफड़ों के कार्य में कमी, आंखों में जलन जैसे रोगों में वृद्धि हुई है। 2026 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में 50 भूजल के नमूनों का अध्ययन किया गया था, जिसमें 78 फीसदी नमूनों में जल पीने योग्य नहीं पाया गया।



विचार

पहियों पर सपनों का घर

संदीप कुमार सिंह

लेखक

आज बड़े महानगर हों या छोटे शहर, सिर पर छत की कीमत आम इंसान की पहुंच से बाहर होती जा रही है। बड़े-बड़े टावरों और गगनचुंबी इमारतों के इस दौर में हर कोई 20-30 साल के होम लोन की ईएमआई, महंगे किराये और तंग झुग्गियों के दुष्चक्र में खुद को फंसा महसूस करता है। लेकिन दुनिया के एक शहर ने अपने अनोखे प्रयोग से इस समस्या से निकलने की राह सुझाई है जिससे बेघर लोगों को सम्मानजनक जिंदगी और घर दोनों मुहैया कराई जा सकती है।

शहरों की आबोहवा में आज तरक्की की चमक कम और बेबसी का धुआं ज्यादा दिखता है। मुंबई की झुग्गी-झोपड़ियों की पतली गालियों से लेकर दिल्ली और न्यूयॉर्क की सड़कों पर फुटपाथ पर सोते बेघर लोगों तक- दुनिया का हर बड़ा शहर एक ही गंभीर बीमारी से जूझ रहा है- शहरी आवास संकट। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट चेतावनी देती है कि दुनिया की 1 अरब से अधिक आबादी झुग्गियों या असुरक्षित बस्तियों में रहने को मजबूर है, और यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। कंक्रीट के आसमान छूते टावर खड़े तो हो रहे हैं, लेकिन आम इंसान के लिए 20-30 साल के भारी-भरकम होम लोन की ईएमआई चुकाए बिना सिर पर पक्की छत पाना एक नामुमकिन सपना बनता जा रहा है।



इसी घुटन और कंक्रीट के जंजाल के बीच से एक नया रास्ता निकला है- पहियों पर दौड़ते छोटे, सुंदर और टिकाऊ आशियाने। अमेरिका के ओरेगन प्रांत में बसे पोर्टलैंड शहर ने इस दिशा में एक ऐसी मिसाल कायम की है कि आज उसे दुनिया भर में %सिटी ऑफ टायनी हाउसेस% के रूप में जाना जाने लगा है। पोर्टलैंड ने यह साबित कर दिखाया है कि अगर इरादा मजबूत हो और सोच लीक से हटकर हो, तो बिना जमीन खरीदे और बिना जिंदगी भर का कर्ज लिए भी एक इंसान बेहद गरिमापूर्ण, आधुनिक और लग्जरी जिंदगी जी सकता है।

पोर्टलैंड का यह %मोबाइल ड्वेलिंग एक्सपेरिमेंट% किसी सरकारी लापरवाही का नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीतियों का नतीजा है। जब पारंपरिक घर बनाना बेहद महंगा हो गया, तो पोर्टलैंड सिटी काउंसिल ने 2021 में अपने जोनिंग बाय-लॉ में एक क्रांतिकारी बदलाव किया। शहर ने कानूनी रूप से 'टायनी हाउसेज ऑन व्हील्स' को मुख्य मकानों के बैकयार्ड या खाली पड़े प्लॉट्स पर रिहायशी तौर पर इस्तेमाल करने की पूरी अनुमति दे दी। यानी, मकान मालिक अपने खाली आंगन में किराए पर छोटा घर रखने के लिए स्वतंत्र हो गए।

इस अनोखे प्रयोग का असर क्या हुआ? ताजा शोध बताती है कि पोर्टलैंड के कई रिहायशी इलाकों में 2020 के मुकाबले 2026 तक मोबाइल टायनी घरों की संख्या लगभग दोगुनी हो चुकी है। पिछले 6 वर्षों में जहां महंगे कंक्रीट के एक्सटेंशन बनाने की रफ्तार सुस्त पड़ी, वहीं पहियों वाले इन सस्ते %स्मार्ट होम% को अपनाने की रफ्तार दोगुनी रही। जहां पक्का घर बनाने में औसतन 2 लाख डॉलर से अधिक खर्च होते हैं, वहीं एक शानदार टायनी होम महज पचास हजार से 1 लाख डॉलर में बनकर तैयार हो जाता है- यानी सीधी 70त तक की बचत!

अब सवाल उठता है कि 200 से 300 स्क्वायर फीट के इन छोटे डिब्बों में %लग्जरी% कैसे संभव है? जवाब है- स्मार्ट आर्किटेक्चर। इन टायनी हाउसेज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि दीवार में समा जाने वाले बेड, फोल्डेबल डाइनिंग टेबल, मॉड्यूलर किचन, और चिमनी से लेकर ग्लास-शावर वाले बाथपैनल्स तक सब कुछ इसमें समा जाता है। बिजली के भारी बिल से राहत के लिए छतों पर सोलर पैनल लगे होते हैं और पानी व सीवर के लिए %प्लग एंड प्ले% सिस्टम होता है। परिणाम यह है कि जो बेघर या कम आय वाले लोग सड़क किनारे तिरपाल के नीचे सोने को मजबूर थे, वे आज एक अत्याधुनिक और सुरक्षित घर में स्वाभिमान के साथ रह रहे हैं।

यह विचार सिर्फ पोर्टलैंड तक सीमित नहीं रहा। आज दुनिया के कई अन्य शहर भी इस राह पर चल पड़े हैं। अमेरिका में टेक्सास के ऑस्टिन में कम्युनिटी विलेज नाम से 51 एकड़ का पूरा गांव बसाया गया है, जहां सैकड़ों टायनी घर बेघर लोगों को स्थायी सहारा दे रहे हैं। टेक्सास का स्पर्ग शहर खुद को पहियों वाले घरों के लिए अमेरिका का पहला पाबंदी-मुक्त शहर घोषित कर चुका है। वहीं, जापान का टोक्यो अपने माइक्रो-होम्स के जरिए तंग जगहों का बेहतरीन इस्तेमाल कर रहा है, तो कनाडा का वैनकुवर अपने %लेनवे हाउसिंग% मॉडल से शहरी भीड़ की समस्या सुलझा रहा है।

4। भारत में लोग 20-30 साल तक सिर्फ फ्लैट की किस्तें चुकाते रहते हैं। छोटे और सस्ते घरों से युवाओं पर लोन का भारी बोझ नहीं पड़ेगा और वे सुकून की जिंदगी जी सकेंगे।

5। कंक्रीट का कम इस्तेमाल होगा तो पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचेगा। इन छोटे घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली के बिल से भी राहत पाई जा सकती है।



मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन: नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

●●●●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर: अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

●●●●

एक यात्री किसान से: अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

●●●●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

●●●●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

●●●●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

●●●●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

●●●●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

रोमांचक यात्रा

विक्की स्कूल से बाहर निकला तो देखा, शाम का अंधेरा घिरने लगा था। आज स्पोर्ट्स प्रेक्टिस में काफी देर लग गई। घर के पास चौराहे पर पहुंच उसने सोचा, 'सड़क-सड़क जाऊंगा तो रास्ता लम्बा पड़ेगा। घर के पिछवाड़े खेत से छोटा पड़ेगा।'

लकड़ी का गेट खोल वह खेत की पगडंडी पर चल दिया। मौसमी सब्जियां खूब लगी थीं। अंधेरा न हुआ होता तो विक्की दो-तीन खीरे तोड़कर खा चुका होता। पर शाम के बाद पेड़-पौधे भी सो जाते हैं, मम्मी ने बताया था। चलते-चलते उसने चारों तरफ नजर डाली। लगा खेत के सब पौधे ऊंघने लगे थे। 'अरे, यह कद्दू?' विक्की ठिठका। सुबह तो कद्दू छोटा सा था। दिन भर में ही इतना बड़ा कैसे हो गया। वह देखने के लिए झुका। कुछ साफ दिखाई नहीं दिया। एकदम अंधेरा घिर आया। 'कल देखेंगे', सोच वह घर की तरफ बढ़ गया।

खाना खाते वक्त उसने मम्मी से कद्दू की बात की। 'टहनी पर लगे फल-सब्जी एक दिन में बड़े नहीं हो जाते। वक्त लगता है। अंधेरे में परछाई-वरछाई पड़ रही होगी।' विक्की को लगा, मम्मी की बात ही ठीक होगी। अगली सुबह न जाने क्यों विक्की खेत के रास्ते से हो स्कूल के लिए चला। कद्दू की बेल के पास आ ठिठका, देखा और हंस दिया, 'यह तो कल सुबह जितना छोटा ही है। रात जरूर किसी चीज की परछाई पड़ रही होगी।' आज उसकी आठवीं क्लास की प्रेक्टिस कुछ पहले खत्म हो गई। दसवीं के बच्चे अभी प्रेक्टिस कर रहे थे।

घर के पास वाले चौराहे पर आ विक्की ठिठका। फिर कुछ सोच सड़क छोड़, खेत के अन्दर से जाने लगा। 'ओह..तो..' विक्की बुदबुदाया। सुबह वाला छोटा सा कद्दू आज फिर बड़ा था। उसने चारों तरफ देखा। अभी अंधेरा नहीं हुआ था। दिन की रोशनी। परछाई के भ्रम का तो सवाल ही नहीं। उसने गौर से देखा। इस बेल में इतने बड़े कद्दू लगते ही नहीं। उसे लगा कद्दू बहुत धीरे-धीरे बड़ा हो रहा है। 'कोई जादू है क्या?' विक्की को आनन्द आने लगा '..हमारे खेत में जादू का कद्दू..।' उसने कहीं पढ़ा था कि भूत या जादू की बातें रात को होती हैं। उसने मन ही मन कुछ फैसला किया और घर चला आया। आज उसने मम्मी से कुछ नहीं कहा। रात के साढ़े ग्यारह बजे, घर के सब लोग सो चुके थे। विक्की बिस्तर से उठ चुपचाप खेत की तरफ चल दिया। कद्दू की बेल के पास पहुंच विक्की हैरान। कद्दू इतना बड़ा हो चुका था, जैसे खूब बड़ा मूढ़ा। 'हे भगवान! यह माजरा क्या है?' तभी विक्की को जैसे करंट लगा। उसने देखा, कद्दू बेल से अलग हो धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा, जैसे हवाई जहाज टेक-ऑफ के बाद ऊपर उठता है। विक्की को पता नहीं क्या सूझा, वह उछल कर कद्दू पर बैठ गया। जो डंडी बेल से अलग हुई, वह इतनी बड़ी थी कि विक्की उसे दोनों हाथों से पकड़ आराम से बैठ गया। कद्दू ऊपर उठ हवा में उड़ने लगा। विक्की को जरा भी डर नहीं लगा। उसे खूब आनन्द आ रहा था। ऊपर से शहर कितना अच्छा लगता है। रात की ठंडी हवा..ऊपर आसमान में चमकते सितारे, नीचे शहर की सड़कों पर जलती बिजली की रोशनी। घरों, पेड़ों और नदी के ऊपर से होता हुआ कद्दू उड़े जा रहा था।

'क्या हम परीलोक जा रहे हैं,' विक्की ने सोचा।

बहुत देर उड़ते रहने के बाद कद्दू नीचे उतरने लगा। विक्की ने कस कर डंठल को पकड़ लिया। नीचे झांका। एक छोटी-सी बस्ती। छोटी साफ-सुथरी सड़कें। छोटे-छोटे घर। 'इतने छोटे घरों में कौन रहता होगा?' तभी कद्दू नीचे उतर रुक गया। उसके उतरते ही चारों तरफ से दौड़-दौड़ कर किस्म-किस्म के सब्जी व फल वहां जा पहुंचे।

'महाराज आ गए। महाराज की जय हो।' सबने आकर कद्दू को प्रणाम किया। महाराज ने मुस्करा कर सबका अभिवादन स्वीकार किया। छोटी सी लौकी बार-बार सामने आ उछल रही थी। महाराज ने उसे प्यार किया, 'कैसी हो छोटी? बहुत खुश लग रही हो।'

विक्की हैरानी से नजारा देख रहा था। डंठल के चारों तरफ का गड्ढा इतना बड़ा था, वह आराम से उसमें बैठा था। सामने एक छोटा सा झरना था। झरने के पानी में ढेरों सब्जियां नहा रही थीं।

'ओ..ये छोटे घर सब्जियों के हैं और यह बस्ती भी सब्जियों की लगती है।' तभी वहां एक आलू आया। खूब बड़ा। शोर उभरा, 'मंत्रीजी आ गए।'

मंत्री ने आकर राजा को प्रणाम किया।

'चलें महाराज? सभा में सब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'..हां, तुम सब यहीं रहो। महाराज जरूरी मीटिंग के लिए जा रहे हैं।' महाराज और मंत्री दोनों बस्ती के दूसरे छोर की तरफ चले। घरों से निकल सभी सब्जियां 'प्रणाम महाराज', कह अभिवादन कर रही थीं।

'पाय लागू महाराज', अचानक इस आवाज से महाराज ठहर गए।

'कौन है?'

एक छोटी-सी भिंडी सकुचाती हुई सामने आई।

'तुम हो? पाय लागू कहां से सीख लिया? मां ने सिखाया होगा?'

भिंडी शरमा कर घर में भाग गई।

आगे जाकर एक छोटे से मैदान में 5-6 बुजुर्ग सब्जियां, मतलब राजसभा के सदस्य बैठे थे।

महाराज ने सबका प्रणाम स्वीकार किया और अपनी गद्दी पर बैठ गए। उन्होंने बैंगन से कहा, 'अपनी रिपोर्ट दो।' 'महाराज। एक अफवाह तेजी से फैल रही है कि पड़ोस की सब्जी-नगरी का कद्दू राजा हमारे राज्य पर अधिकार करना चाहता है।' कटहल ने कहा, 'आपकी छत्रछाया में हम सब यहां कितने सुख और प्यार से रह रहे हैं। हम दूसरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'किसी ने उसे देखा है?' आलू ने कहा, 'देखा तो नहीं। पर, सुना है, एक दो दिन में हमला कर सकता है।'

'तुम्हें जो योजना बताई थी, याद है?' मिर्ची के बीज रख दिए हैं। उनके पीछे.., महाराज ने बीच में रोक दिया, 'उसके बाद किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

लम्बी छरहरी इमली ने कहा, 'महाराज! आप यहां से चले क्यों गए? आपके बिना हमें डर लगता है।'

महाराज जोर से हंसे, 'तुम्हें डर लगता है? तू तो अपनी खटास से किसी को भी बदहवास कर सकती है। तैयार रहना।'

'मैं तैयार हूं महाराज।' कद्दू ने कुछ देर मंत्रणा की। फिर कहा, 'अब हम चलते हैं। कल आएंगे। जैसे समझाया है, सब वैसे करना। हमें कोई जीत नहीं सकेगा।'

कद्दू उड़ कर वापस विक्की के खेत में आ अपनी जगह बैठ गया। विक्की उतर कर घर चला आया। उसे बहुत मजा आ रहा था। कद्दू की सवारी में तो खूब आनन्द आया। पर सब्जियों के राज्यों में भी युद्ध होता है। कद्दू ने कहा था वह कल भी जाएगा...हम कल भी जाएंगे।

विक्की अगली रात भी खेत में पहुंच गया। कद्दू जैसे उसी का इंतजार कर रहा था। उसके बैठते ही उड़ चला। विक्की को लगा आज कद्दू कल से ज्यादा बड़ा है। उसको बैठने के लिए खूब जगह मिल गई। विक्की अपने साथ तेज धार वाला बड़ा चाकू ले आया था, ..शायद जरूरत पड़ जाए।' सब्जी बस्ती में उतरते ही अजीब सा खौफ भरा सन्नाटा नजर आया। आलू ने बताया कि पक्की खबर मिली है कि वह आज हमला करेगा।

कद्दू ने कहा, 'हम आ गए हैं। घबराओ मत। तुम सब तैयार रहना। हम थोड़ा ऊपर उठ कर उसे देखने की कोशिश करते हैं।' कद्दू ऊपर उठा। कहीं कोई नजर नहीं आया। वह और ऊपर उठा। अचानक एक तरफ से पहाड़ सा कद्दू आकर इस कद्दू को टक्कर मारने को तैयार हुआ।

'आज हम तुझे मार कर इस बस्ती पर अधिकार कर लेंगे', कह कर कद्दू पर झपटा। वह टक्कर मारने वाला था कि चीख मार कर गिरने लगा। सबने देखा, उसका पेट फट गया था। बीज, गूदा सब बाहर निकल आया। वह मर रहा था। नीचे गिरते हुए उसकी चीखें धीमी पड़ती जा रही थीं।

नीचे किसी को समझ नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया। विक्की का चाकू। बड़े कद्दू को पास आते देख विक्की ने चाकू उसके पेट में घुसेड़ दिया।

महाराज नीचे उतरे। मोटा कद्दू चारों खाने चित्त पड़ा था।

बस्ती वालों की जय-जयकार से आसमान गूंज उठा, 'हमारे महाराज सर्वश्रेष्ठ...महाराज की जय हो.. अब कोई दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर नहीं देखेगा।'

जश्न के बाद कद्दू वापस जाने के लिए ऊपर उठा। खेत में आ अपनी जगह बैठ गया।

विक्की





छोटी गर्दन वाला सफेद गैंडा

बड़े सिर और भारी शरीर वाला सफेद गैंडा, गैंडों की पांच बड़ी प्रजातियों में से एक है और यह कुछ हाथियों की तरह दुनिया के बड़े स्तनपायियों में से एक माना जाता है।

लेकिन भारी शरीर के साथ इसकी गर्दन छोटी और छाती चौड़ी होती है। नर सफेद गैंडे का वजन 2300 किलोग्राम होता है। अब तक के सबसे बड़े गैंडे का वजन 4500 किलोग्राम तक रिकॉर्ड किया गया है। इस जानवर में एक खास बात यह है कि इसकी नाक पर दो सींग होते हैं, जो कैरोटिन के बने होते हैं। इस गैंडे में एक खास चीज और होती है, वह है इसके पीठ पर उठा हुआ कूबड़। घास को अच्छी तरह से खाने के लिए इसके पास चौड़ा मुंह होता है। वैसे तो इसके कान सब कुछ सुन लेते हैं, लेकिन यह ज्यादातर समय सूंघकर ही अपना काम चलाता है। इसकी नाक धरती पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में सबसे चौड़ी होती है। यह 40 से 50 साल तक जीवित रह सकता है।

निर्दयी शिकारी है टिम्बर भेड़िया

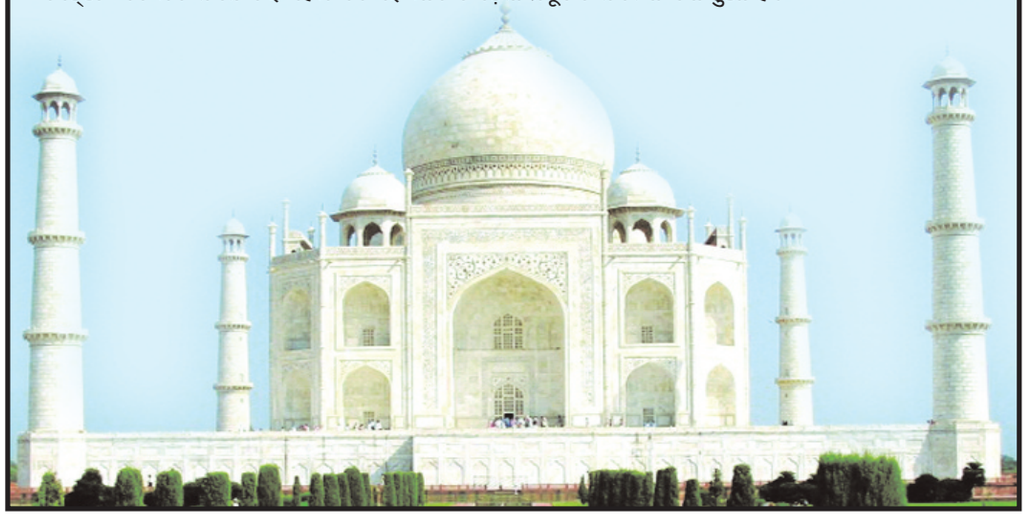


अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाया जाने वाला 'टिम्बर भेड़िया' देखने में हालांकि कुत्ते जैसा ही प्रतीत होता है किन्तु यह इतना शक्तिशाली होता है कि बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मार डालता है। लगभग डेढ़ मीटर लम्बा भेड़ियों की विशेष प्रजाति का सदस्य 'टिम्बर भेड़िया' सूंघकर नहीं बल्कि देखकर शिकार करता है। भूरे रंग का यह भेड़िया देखने में काफी सुंदर लगता है किन्तु इसे बहुत ही निर्दयी शिकारी माना जाता है, जो इतना ताकतवर जानवर है कि यह 'इल्क' जैसे बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मौत की नींद सुला डालता है। बस, एक बार कोई शिकार इनकी नजर में आ जाए, फिर उसका बचना लगभग नामुमकिन होता है। टिम्बर भेड़िए तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते, जब तक कि शिकार इनकी गिरफ्त में न आ जाए। बहुत दूर तक अपने शिकार का पीछा करने के बाद जब टिम्बर भेड़िया शिकार को दबोचने में सफल हो जाता है तो बुरी तरह उस पर टूट पड़ता है और बहुत ही निर्दयता से उसे मार डालता है। यही वजह है कि टिम्बर भेड़िया को एक 'निर्दयी शिकारी' भी कहा जाता है। अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाए जाने वाले टिम्बर भेड़िए की तादाद अन्य भेड़ियों की तुलना में बहुत अधिक होती है, जहां भूरे रंग के टिम्बर भेड़िए ही बहुतायत में पाए जाते हैं। हालांकि टिम्बर भेड़ियों की गहरे भूरे रंग, हल्के लाल रंग तथा सफेद रंग की प्रजातियां भी पाई जाती हैं किन्तु ये प्रजातियां बहुत दुर्लभ हैं। टिम्बर भेड़िए के शरीर पर भूरे रंग की बहुत घनी और मुलायम फर होती है। इसकी करीब आधा मीटर लंबी पूंछ झाड़ियों जैसी घनी होती है।

जाने ताजमहल की कुछ अनसुनी बातें

मुमताज महल और शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है ताजमहल। इसके निर्माण से संबंधित बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। अपनी चौदहवीं संतान को जन्म देने के उपरांत बुरहानपुर में मुमताज महल की मौत हो गई। उनके पार्थिव शव को छह महीने तक इसी स्थान पर दफना कर रखा गया और कुछ समय बाद शव को कब्र से निकाल कर शाहजहां अपने साथ आगरा ले गए और उसे ताजमहल में दफनाया गया।

ताजमहल भारत का गौरव है और वह दुनिया के 8 अजूबों में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है। यह 400 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण 20 हजार मजदूरों ने रात-दिन काम करके चमकीले सफेद संगमरमर से बेहतरीन मुगल वास्तुकला के नमूने के रूप में किया था। जो ईरानी और भारतीय शैलियों का सुमेल है। ताज परिसर में कदम रखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाते हैं कि इतनी खूबसूरत रचना मनुष्य ने कैसे की होगी। पूरे परिसर में सजावट के रूप में कुरान की आयतें उकरी हुई हैं। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह मेहराबरूपी गुंबद के नीचे है और यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। 300 मीटर का वर्गाकार चार बाग भी ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटते हैं। ताजमहल की सुंदरता का कोई भी बखान नहीं कर सकता। ताजमहल के वजूद पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण ताजमहल की नींव में लगी लकड़ी सूख रही है जिससे ताजमहल के अस्तित्व को भयानक खतरा हो सकता है। अन्य कारणों पर दृष्टिपात करें तो आगरा में ताजमहल के आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयों के खुलने के कारण इस धरोधर के क्षतिग्रस्त होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं साथ ही खतरा इस इमारत की खूबसूरती पर दाग लगने का भी बढ़ रहा है। ताजमहल पर 'मुलतानी मिट्टी' का लेप समेत कई पहल की गई लेकिन बढ़ता प्रदूषण समस्या बना हुआ है।



न्यूज इन शॉर्ट

आदिवासी लोक कला (नर्तक) दलों से 10 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित

सक्ती,शहीद वीर नारायण सिंह की स्मृति में 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति, आदिवासी लोक कला महोत्सव' का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आदिवासी लोक कला (नर्तक) दलों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऐसे आदिवासी लोक कला (नर्तक) दल, जिनकी वेशभूषा एवं वाद्ययंत्र पूर्णतः जनजातीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हों, वे दिनांक 10 नवंबर 2026 तक अपना आवेदन कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग जिला सक्ती में प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्वीप कार्यक्रम के तहत युवाओं को मतदान के प्रति किया जा रहा जागरूक

निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम से महाविद्यालयों में निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन

सूरजपुर जिले में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में विभिन्न मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शासकीय महाविद्यालय बिश्रामपुर एवं शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर में निर्वाचन साक्षरता क्लब के द्वारा निबंध लेखन एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को मताधिकार के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया, लोकतांत्रिक अधिकारों एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि युवा एवं भावी मतदाता स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान के प्रति जागरूक रहे और अधिकाधिक युवा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़कर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन प्रवेश परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर, वेबसाइट पर प्रवेश पत्र जारी

बालोद, पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली में शैक्षणिक सत्र के तहत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर को किया जाएगा। वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश पत्र डाउनलोड की सुविधा प्राचार्य पीएम श्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली ने बताया कि चयन परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थी अपना प्रवेश पत्र ऑनलाइन माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए परीक्षार्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट अथवा पोर्टल लिंक पर जाकर अपना प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं।
प्रवेश पत्र डाउनलोड करने में आ रही समस्या के लिए हेल्प डेस्क नंबर जारी प्रवेश पत्र डाउनलोड करने के दौरान यदि परीक्षार्थियों अथवा उनके पालकों को किसी भी प्रकार की तकनीकी कठिनाई या असुविधा का सामना करना पड़ता है, तो वे सीधे प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय दुधली से संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही परीक्षार्थियों की सहायता एवं विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालयीन हेल्प डेस्क मोबाइल नंबर 9907175081 भी जारी किया गया है, जिस पर संपर्क कर मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विशेष सघन खाद्य सुरक्षा अभियान संचालित

मिठाई, मावा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थों के लिए गए नमूने, विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया गया निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ सक्ती



जिले में आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने तथा आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर के आदेश एवं उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देशानुसार दीपावली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए विशेष सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान मितल ट्रेडर्स सक्ती से सोनपापड़ी एवं सूजी, पिहू होटल फगुराम से मिल्क केक, होटल देवराज से मलाई पेड़ा, सकर्रा के मामा-भांजा होटल एंड स्वीट्स से क्रीम रोल (स्वीट्स), अन्नपूर्णा होटल बाराद्वार से रसगुल्ला, मधुर स्वीट्स जैजैपुर से चमचम, सूर्या होटल एंड स्वीट्स हसौद से बूंदी लड्डू और कलाकंद, ननकीदाऊ मिष्ठान भंडार हसौद से पेड़ा तथा महाराजा होटल चंद्रपुर से बूंदी का नमूना लिया गया एवं जांच हेतु राज्य प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण के पश्चात खाद्य पदार्थ अमानक स्तर के पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयीन कार्यवाही की जाएगी।

जिला सक्ती में स्थित अन्नपूर्णा स्वीट्स चंद्रपुर, यादव होटल चंद्रपुर, बीकानेर स्वीट्स जैजैपुर, शिव शक्ति जोधपुर होटल, नटराज स्वीट्स, बनारसी होटल एवं छेदी होटल का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही रैपिड टेस्ट किट की सहायता से मौके पर ही मिठाइयों और खोया का परीक्षण किया गया। जिन फर्मों में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के नियमों और शर्तों के अधीन कार्य संचालन नहीं पाया गया, उन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है एवं संतुष्टिजनक जवाब नहीं मिलने पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संयुक्त जांच दल में तहसीलदार सक्ती श्री लीलाधर चंद्रा के साथ राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार जागृति आनंद एवं श्री पद्म लोचन पटेल, अभिहित अधिकारी श्री अहसान तिग्गा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी निखिलेश साहू, शांतनु भट्टाचार्य एवं सरिता मरावी शामिल रहे।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा खाद्य कारोबारियों से नियमों का पालन करने, साफ-सफाई रखने, मिठाइयों को खुले में नहीं रखने, अखाद्य रंग का प्रयोग नहीं करने तथा बिना मिलावट के समान बनाने की अपील की गई है। साथ ही उपभोक्ताओं से सुरक्षित एवं मानक खाद्य पदार्थ खरीदने तथा सभी खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़कर सामान खरीदने की अपील की गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विद्यार्थियों के हितों की रक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल - उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा



छत्तीसगढ़ में कोचिंग सेंटरों के संचालन के लिए बनेगा नया कानून, विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को मिलेगी प्राथमिकता

कोचिंग सेंटर विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार, सात दिनों के भीतर आम नागरिकों और हितधारकों से मांगे गए सुझाव

रायपुर, छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में संचालित कोचिंग सेंटरों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी, सुरक्षित और जवाबदेह बनाने तथा विद्यार्थियों के हितों के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 का प्रारूप तैयार किया गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से कोचिंग संस्थानों के संचालन में अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की व्यवस्था की जाएगी।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विद्यार्थियों को सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और अभिभावकों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। प्रस्तावित छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप से कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही बढ़ेगी तथा विद्यार्थियों को अनावश्यक शैक्षणिक दबाव, मनमानी फीस और अन्य समस्याओं से राहत दिलाने में मदद मिलेगी।

विधेयक के प्रारूप में 20 अथवा अधिक विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेंटरों का पंजीकरण अनिवार्य करने, पांच वर्ष की पंजीकरण वैधता, शुल्क संबंधी पारदर्शिता, पाठ्यक्रम छोड़ने पर शुल्क वापसी तथा छात्रावासों की सुरक्षा के प्रावधान प्रस्तावित हैं। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श व्यवस्था, उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निराकरण और चौबीसों घंटे हेल्पलाइन की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय प्राधिकरण तथा जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जिला समितियों के गठन का प्रावधान है। नियमों के उल्लंघन पर दस हजार से पांच लाख रुपये तक की शास्ति तथा गंभीर मामलों में पंजीकरण निरस्त करने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उच्च शिक्षा विभाग ने छत्तीसगढ़ कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक 2026 के प्रारूप को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभिभावकों, शिक्षाविदों, युवाओं, हितधारकों और आम नागरिकों से सात दिनों के भीतर सुझाव एवं अभिमत आमंत्रित किए हैं। विधेयक का प्रारूप उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा।

जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न, मेधावी छात्र-छात्राओं ने लहराया परचम

एक सत बुलेटिन ➤ जगदलपुर



जनजातीय गौरव सप्ताह के उपलक्ष्य में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार बस्तर जिले में जनजातीय गौरव ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। प्रयास आवासीय विद्यालय, जगदलपुर में आयोजित इस ज्ञान महाकुंभ में स्कूली और महाविद्यालयीन स्तर के होनहार विद्यार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता और उत्कृष्ट प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

दो अलग-अलग श्रेणियों में आयोजित इस प्रतियोगिता के स्कूली वर्ग (कक्षा 9 वीं से 12 वीं) में प्रयास आवासीय विद्यालय जगदलपुर की छात्राओं का दबदबा रहा। विद्यालय की होनहार छात्रा कु. उत्पला ने 94 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया, जबकि इसी संस्था की कु. निहारिका 68 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं दरभा विकासखंड स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय छिन्दवाड़ा के छात्र संदीप नाग ने 66 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान सुनिश्चित किया।

वहीं दूसरी ओर महाविद्यालयीन तथा पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं के सीनियर वर्ग में धरमपुरा स्थित पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस वर्ग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा रिंकी नेताम ने 297 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान पाया, जबकि बीए छठे सेमेस्टर की तुलसी देवी नेताम ने 284 अंक और पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर की फुलेश्वरी बघेल ने 224 अंक हासिल कर मेरिट सूची में अपनी जगह बनाई। इस सफल आयोजन ने न केवल अंचल के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, बल्कि जनजातीय संस्कृति, इतिहास और सामान्य ज्ञान के प्रति उनकी जागरूकता को भी नई दिशा दी। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जीआर सोरी द्वारा प्रतियोगिता के समापन पर सभी मेधावी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के तहत पेंशनधारियों को घर बैठे जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की सुविधा

फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के माध्यम से मोबाइल एवं कंप्यूटर से आसानी से जमा कर सकेंगे डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र

सक्ती, पेंशनधारियों के जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक आधारित सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसके माध्यम से पेंशनधारी बिना किसी परेशानी के अपने मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर के माध्यम से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।



डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के दिशा-निर्देशों के तहत जिले में अभियान के क्रियान्वयन हेतु सब-नोडल अधिकारी (स्हड्ड-हश्सस्डुद्य ह्वद्धद्बद्बष्ट्सह्) के रूप में नामांकित किया गया है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी बैंक शाखाओं तथा अधिकृत पेंशनर संघों के साथ समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक पेंशनधारी इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा डिजिटल माध्यम से अपना जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। साथ ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान 5.0 के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी पेंशनरों से इस डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की गई है।

मिट्टी के दीयों में गढ़ते हैं खुशियां, बिजली के चाक ने मंगल प्रजापति के जीवन में भरा नया उजियारा

परंपरागत कुम्हार कला को मिला आधुनिक तकनीक का साथ, पीढ़ियों से संजोए हुनर को मिली नई पहचान और आजीविका को मजबूती

एक सत बुलेटिन ➤ सूरजपुर



दीपावली का पर्व आते ही मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ जाती है। इन दीयों में केवल मिट्टी की सुगंध और रोशनी ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कुम्हारों की पारंपरिक कला, मेहनत और उनकी आजीविका भी समाहित होती है। ऐसे ही पारंपरिक हुनर को संजोकर रखने वाले सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंगोटी निवासी श्री मंगल प्रजापति आज आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहे हैं।

पेशे से कुम्हार श्री मंगल प्रजापति मिट्टी से दीये, बर्तन और अन्य उपयोगी सामग्री तैयार कर अपनी पारंपरिक कला को आगे बढ़ा रहे हैं। पहले वे हाथ से चलने वाले चाक पर बर्तन बनाते थे। इस कार्य में काफी शारीरिक मेहनत लगती थी और उत्पादन भी सीमित रहता था। ऐसे में मेहनत के अनुरूप आमदनी नहीं हो पाती थी।

छत्तीसगढ़ शासन की योजना के अंतर्गत बिजली से चलने वाला चाक मिलने के बाद उनके पारंपरिक व्यवसाय को नई गति मिली। अब कम समय और कम मेहनत में अधिक बर्तनों का निर्माण कर पा रहे हैं। तकनीक के इस सहयोग ने उनके हुनर को विस्तार देने के साथ आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है। आज श्री प्रजापति ने सूरजपुर जिला मुख्यालय में अपनी दुकान स्थापित कर ली है, जहां वे नियमित रूप से मिट्टी के बर्तनों की बिक्री कर रहे हैं।

वे बताते हैं कि व्यवसाय में वृद्धि से परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। अब बच्चों की शिक्षा और परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रहे हैं। उनका एक बेटा महाविद्यालय में अध्ययनरत है, दूसरा बेटा भी अब दोबारा पढ़ाई शुरू करने के लिए इच्छुक है। आर्थिक स्थिति बेहतर होने से वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के सपनों को भी साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

श्री मंगल प्रजापति भावुक होकर कहते हैं कि बिजली से चलने वाला चाक मिलने से उनके पारंपरिक व्यवसाय को नया सहारा मिला है। अब उनका काम पहले से बेहतर हो गया है और परिवार भी खुशहाल है। उन्होंने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की 'विष्णु के पाती' ने बसंती राजवाड़े के संघर्ष को दिया संबल, भावुक हुईं स्व-सहायता समूह की महिला



सूरजपुरमुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल 'विष्णु के पाती' के माध्यम से आम नागरिकों तक पहुंच रही आत्मीयता और संवेदनशीलता का एक भावुक उदाहरण सूरजपुर जिले के रामानुजनगर विकासखंड अंतर्गत ग्राम कृष्णपुर की स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिला बसंती राजवाड़े के जीवन में देखने को मिला। मुख्यमंत्री द्वारा उनके संघर्ष, स्वरोजगार और परिवार के प्रति जिम्मेदारियों को आत्मीयता से उल्लेखित करते हुए पत्र लिखे जाने पर बसंती भावुक हो उठीं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पत्र पाकर उन्हें बेहद खुशी हुई और कठिन समय में आगे बढ़ने का नया हौसला मिला है। बसंती राजवाड़े ने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बीच अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए स्वरोजगार की राह चुनी। तीन बेटियों और माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने बिहान योजना के स्व-सहायता समूह से जुड़कर प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त किया और सरसों तेल निकालने का व्यवसाय शुरू किया। आज यही व्यवसाय उनके परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन गया है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल